वैशाख माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 106, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 12 मई 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

देशद्रोह पर सुप्रीम कोर्ट का कड़ा फैसला, 1870 में बने कानून के तहत नए केस दर्ज करने पर रोक, पुराने मामलों में कार्रवाई भी रोकी

राजद्रोह कानून पर 'सुप्रीम स्टे'

नई दिल्लीः देश में अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे देशद्रोह कानून को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद सख्त फैसला दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि जब तक आईपीसी की धारा 124-ए की री-एग्जामिन प्रोसेस पूरी नहीं हो जाती, तब तक इसके तहत कोई मामला दर्ज नहीं होगा। कोर्ट ने पहले से दर्ज मामलों में भी कार्रवाई पर रोक लगा दी है। वहीं, इस धारा में जेल में बंद आरोपी भी जमानत के लिए अपील कर सकते हैं। इधर, कोर्ट के फैसले पर केंद्रीय कानून मंत्री ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने कहा- हम कोर्ट और इसकी स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं, लेकिन एक लक्ष्मण रेखा है, जिसका सम्मान सभी अंगों द्वारा किया जाना चाहिए। कानून मंत्री ने आगे कहा कि हमने अपनी स्थिति बहुत स्पष्ट कर दी है और पीएम मोदी के इरादे के बारे में कोर्ट को सूचित किया है। इससे पहले, केंद्र सरकार ने बुधवार को 1870 में बने यानी 152 साल पुराने राजद्रोह कानून (आईपीसी की धारा 124-ए) पर सुप्रीम कोर्ट में जवाब दायर किया। इसके बाद कोर्ट ने केंद्र को इस कानून के प्रावधानों पर फिर से विचार करने की अनुमति दे दी।

सरकार बोली- कानून रहे पर जांच के बाद एफआईआर दर्ज होः इसके पहले सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि आईपीसी की धारा 124-ए पर रोक न लगाई जाए। हालांकि, उन्होंने यह प्रस्ताव दिया है कि भविष्य में इस कानून के तहत एफआईआर पुलिस अधीक्षक की जांच और सहमति के बाद ही दर्ज की जाए।

यदि नया केस दर्ज किया तो क्या होगाः चीफ जस्टिस एनवी रमना, जस्टिस सूर्यकांत त्रिपाठी और जस्टिस हिमा कोहली की बेंच ने यह भी आदेश दिया है कि इसके बाद भी यदि कोई नया केस दर्ज किया जाता है तो पीड़ित पक्ष कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकता है। निचली अदालतों से भी अपील है वे पारित आदेश को ध्यान में रखते हुए मांगी गई राहत की जांच करें। गौरतलब है कि कपिल सिब्बल ने कोर्ट में जानकारी दी है कि देशद्रोह कानून के तहत देशभर की जेलों में 13 हजार लोग आज तक बंद हैं।

आरोपियों की जमानत पर जल्दी फैसला होः केंद्र

केंद्र ने कहा कि जहां तक लंबित मामलों का सवाल है, संबंधित अदालतों को आरोपियों की जमानत पर शीघ्रता से विचार करने का निर्देश दिया जा सकता है। गौरतलब है कि देशद्रोह के मामलों में धारा 124-ए से जुड़ी 10 से ज्यादा याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। केंद्र ने कहा संज्ञेय अपराध को दर्ज होने से नहीं रोका जा सकता है। कानून के प्रभाव पर रोक लगाना सही नहीं हो सकता, इसलिए जांच के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी होना चाहिए। मामला तभी दर्ज हो, जब वह कानून के तहत तय मानकों के अनुरूप हो।

राजद्रोह कानून

धारा 124ए

ऐसा है कानून का मौजूदा स्वरूप

देशद्रोह कानून पर याचिकाएं दायर करने वालों में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी, मणिपुर के पत्रकार किशोरचंद्र वांगखेमचा, छत्तीसगढ़ के कन्हैयालाल शुक्ला शामिल हैं। इस कानून में गैर-जमानती प्रावधान हैं। यानी भारत में कानून द्वारा स्थापित सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना, असंतोष फैलाने को अपराध माना जाता है। आरोपी को सजा के तौर पर आजीवन कारावास दिया जा सकता है।

लोगों की पंसद की नहीं बल्कि उनके फायदे की नीतियां बनाती है मोदी सरकारः शाह

नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोदी @20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' पुस्तक के विमोचन किया

नई दिल्लीः केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ऐसी नीतियां नहीं बनाती जो लोगों को पसंद आए, बल्कि इससे उन्हें फायदा होता है। शाह विज्ञान भवन में 'मोदी @20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी'पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वे गर्व से कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की हर नीति-हर कार्यक्रम में देश को विश्वगुरु बनाने की सोच सबसे ऊपर रहती है।

गृह मंत्री ने कहा कि कोई व्यक्ति 30 साल तक अथक परिश्रम कर संवेदना के साथ समस्याओं का विश्लेषण करता है और उसके आधार पर समस्या का समाधान करता है तब वह सफल राजनेता बनता है। उन्होंने नरेन्द्र मोदी को संगठन के कार्यकर्ता के रूप में छोटे से छोटे गांव में कभी बस, कभी मोटरसाइकिल और कभी ऑटो में बैठकर गरीब से गरीब व्यक्ति के घर जाकर उनकी समस्याएं सुनते देखा है। इसलिए आज मोदी देश के हर क्षेत्र और हर वर्ग के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा रचनात्मक तरीके से परिणाम लाने वाले उच्च लक्ष्यों के लिए सोचते हैं। मोदी की इस प्रगतिशील सोच ने देश में एक बहुत बड़ा परिवर्तन लाने का काम किया है। मोदी हमेशा लोगों की बात बहुत ही एकाग्रता और धैर्य के साथ सुनते हैं। उन्होंने भारतीय राजनीति में नरेन्द्र मोदी से बड़ा श्रोता कोई नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि जब तक किसी के मन में लोगों की गरीबी व समस्याएं देखकर टीस पैदा नहीं होती तब तक कोई व्यक्ति नरेन्द्र मोदी नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दृढ़ नेतृत्व से विश्व में भारत की विदेश नीति को प्रस्थापित कर सबको बताया कि हम सबके साथ दोस्ती चाहते हैं लेकिन हम भारत की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। भारत की जनता ने अपने नेता के रूप में नरेन्द्र मोदी को दिल से स्वीकारा है जो बताता है कि जनता मोदी से कितना प्यार करती है। उल्लेखनीय है कि 'मोदी @20: ड्रीम्स मीट डिलीवरी' ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित और रूपा द्वारा प्रकाशित पुस्तक में अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल, इंफोसिस के नंदन नीलेकणी और सुधा मूर्ति, कोटक महिंद्रा के उदय कोटक बैंक और शटलर पीवी सिंधु सहित अन्य प्रतिष्ठित लोगों द्वारा लिखे गए 21 लेखों का संकलन है। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू मुख्य अतिथि के रूप में थे और अमित शाह व जयशंकर वक्ताओं में थे।

युवक की हत्या के बाद भीलवाड़ा में तनाव, विरोध में बाजार बंद रहे

भीलवाड़ाः भीलवाड़ा में मंगलवार देर रात युवक की हत्या के बाद शहर में तनाव व्याप्त है। हिंदू समाज के आव्हान पर भीलवाड़ा बंद रहा। बंद के दौरान चप्पे चप्पे पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारी भी गश्त पर रहे। मृतक के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से भी इन्कार कर दिया है। वो आरोपियों की गिरफ्तारी व 50 लाख रुपये के मुआवजे पर अड़े है। हिन्दू समाज के आव्हान का भाजपा ने भी समर्थन दिया है। प्रशासन के आला अधिकारी समझाईश भी कर रहे है। पुलिस ने अब तक इस मामले में तीन जनों को हिरासत में लेने की बात कही है जिसमें दो नाबालिग बताये गये है। पुलिस संभवतया मामले में देर सायं कोई खुलासा कर सकती है। कल रात की घटना के बाद सांप्रदायिक तनाव के चलते आज सुबह सुचना केंद्र चौराहा पर हिन्दू समाज के लोग टेंट लगा कर धरने की तैयारी में थे, पर पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर टेंट लगाने से रोक दिया। इसके बाद कार्यकताओं ने दुपहिया वाहनों पर घूम कर बाजार बंद करा दिये। अभी तक शहर में स्थिति शांत है और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। एसपी और कलेक्टर स्थिति पर निगाह बनाए हुए हैं। मृतक के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। परिजन आरोपियों की गिरफ्तारी व 50 लाख रुपये के मुआवजे की मांग पर अड़े है। मंगलवार देर रात को शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड में आदर्श तापड़िया को बाइक सवार दो युवकों ने चाकू घोंप कर घायल कर दिया था जिसकी बाद में हॉस्पिटल पंहुचते समय मौत हो गयी। आज सुबह से ही भीलवाड़ा जिले में प्रशासन ने 24 घंटे तक के लिए इन्टरनेट सेवाओं को बंद कर दिया है। मृतक युवक के मामा महेश खोतानी ने मामले में न्याय की मांग की है। उन्होंने कहा कि सभी हमलावरों की गिरफ्तारी नहीं होने तक वो शव नहीं उठाएंगे। विभिन्न संगठनों ने भी हत्या की निंदा की है।

सरकारी जमीन के अवैध कब्जेदारों को सीएम की चेतावनी

चंडीगढ़ः पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंचायती जमीनों पर कब्जा करने वालों को कब्जे छोड़ने के लिए अंतिम चेतावनी दी है। पंजाब सरकार पंचायती जमीनों से कब्जे छुड़वाने का अभियान चला रही है। पंचायत मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल खुद पंजाब के अलग-अलग जिलों में जाकर कब्जे हटवा रहे हैं। पंजाब में इस समय करीब 30 हजार एकड़ सरकारी जमीन पर लोग का अवैध कब्जा है। इन कब्जाकारों में कई रसूखदार भी शामिल हैं। पंजाब के ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को अवैध कब्जेदारों को चेताया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट करके कहा कि जिन लोगों ने सरकारी या पंचायती जमीनों पर अवैध कब्जे कर रखे हैं।

मोहाली ग्रेनेड हमला मामले में तरनतारन से पकड़ा गया एक आरोपित

चंडीगढ़ः पंजाब के मोहाली स्थित इंटेलीजेंस मुख्यालय पर हुए ग्रेनेड हमला मामले में पुलिस ने बुधवार सुबह तरनतारन जिले से एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार मोहाली ग्रेनेड हमले के बाद एसआईटी तथा अन्य टीमों द्वारा आरोपितों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी दौरान तरनतारन जिले के गांव कुल्ला निवासी निशान सिंह को गिरफ्तार कर मोहाली पुलिस के हवाले कर दिया है। निशान सिंह को फरीदकोट से सीआईए स्टाफ द्वारा मोहाली ले जाया गया है। निशान सिंह के खिलाफ तरनतारन, अमृतसर, फरीदकोट, मोगा, गुरदासपुर जिले में स्नेचिंग, नशा तस्करी और अन्य अपराधों के मामले दर्ज हैं।

राशन वितरण बंद हुआ तो देश के हालात श्रीलंका जैसे होंगे : अखिलेश यादव

आजमगढ़ः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा सरकार को हर मुद्दे पर जमकर घेरा। कहा कि अगर राशन को सरकार हटा ले तो देश के हालत श्रीलंका जैसे हो जायेंगे। सरकार के पास अब बजट का अभाव है, इसलिए वह किसान सम्मान निधि और राशन वितरण को बंद करने के बहाने ढूंढ रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मंत्री व विधायक दारा सिंह चौहान की मां की तेरहवीं कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां पर विधायक की मां को श्रद्वांजलि देने के बाद पत्रकारों से रुबरु हुए। कहा कि आजम खान के मामले में न्यायालय में सुनवाई पूरी हो गई है और समाजवादियों को उम्मीद है कि जल्द ही उनके साथ न्याय होगा। सरकार ने आजम पर इतना शिकंजा कसा है कि वो जेल से बाहर न निकल पाये। सुप्रीम कोर्ट के हाल ही देशद्रोह मामले में टिप्पणी पर सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा की सरकार जब से बनी है और उनके खिलाफ जो राजनेता हैं ।

ताजमहल पर जयपुर रॉयल फैमिली ने किया दावा

राजघराने की दीया कुमारी ने कहा- वहां हमारा महल था, हमारे पास दस्तावेज

जयपुरः दुनिया के सात अजूबों में से एक ताजमहल पर तमाम दावों के बीच जयपुर रॉयल फैमिली ने दावा किया है कि ताजमहल उनकी प्रॉपर्टी है। रॉयल फैमिली की सदस्य और भाजपा सांसद दीया कुमारी ने कहा कि उस जगह पर हमारा महल था। ये अच्छी बात है कि किसी ने ताजमहल के दरवाजे खोलने को लेकर अपील की है, इससे सच सामने आएगा। हम भी अभी मामले को एग्जामिन कर रहे हैं। दीया कुमारी ने दावा किया है कि उनके पास ऐसे डॉक्यूमेंट मौजूद हैं, जो बताते हैं कि पहले ताजमहल जयपुर के पुराने राजपरिवार का पैलेस हुआ करता था, जिस पर शाहजहां ने कब्जा कर लिया। जब शाहजहां ने जयपुर परिवार का वह पैलेस और जमीन ली तो परिवार उसका विरोध नहीं कर सका, क्योंकि तब उसका शासन था।

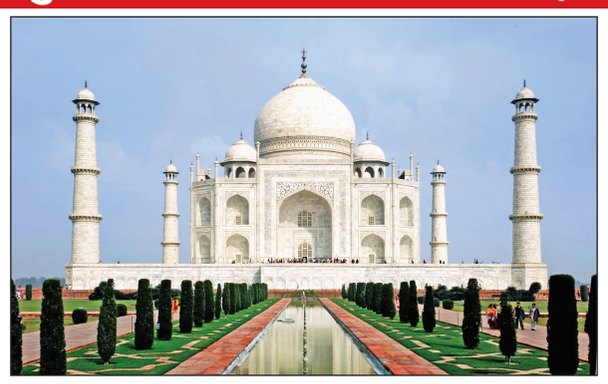

उस समय अपील नहीं कर सकते थेः दीया कुमारी ने कहा- 'आज भी कोई सरकार किसी जमीन को एक्वायर करती है तो उसके बदले में मुआवजा देती है। मैंने सुना है कि उसके बदले में कोई मुआवजा दिया, लेकिन उस समय ऐसा कोई कानून नहीं था कि उसके खिलाफ अपील कर सकते थे या उसके विरोध में कुछ कर सकते थे। अब अच्छा है किसी ने आवाज उठाई और कोर्ट में याचिका दायर की है।' गौरतलब है।

श्रीलंका में हालात बेकाबू, मंत्रियों के घर फूंके, सांसदों को नंगाकर पीटा

कोलंबोः आर्थिक और राजनीतिक संकट से घिरे श्रीलंका में हालात बेकाबू हो गए हैं। गुस्साई भीड़ ने मंत्रियों के घर फूंक दिए हैं। कई सांसदों को नंगाकर पीटा गया है। सरकार ने सड़कों पर सेना को उतारा है और उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश दिए हैं। श्रीलंका में प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफा देने के बाद उपद्रव जारी है। राजपक्षे के सरकारी आवास को फूंकने के बाद अब सनथ निशांता, जॉनसन फर्नांडो, प्रसन्ना राणातुंगा सहित कई मंत्रियों के घर फूंक दिए गए। जनता का गुस्सा सत्तारूढ़ दल के सांसदों को पर फूटा है। कई सासंदों को जान बचाकर भागना पड़ा।कुछ सांसदों को नंगाकर पीटे जाने के फोटो और वीडियो वायरल हुए हैं। इस हिंसा में अब तक दस लोगों की मौत और सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। हालात को काबू करने के लिए थलसेना, वायुसेना और नौसेना को उतारा गया है। रक्षा मंत्रालय ने सैनिकों को आदेश दिए हैं कि लूटपाट करने वालों, राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों और उपद्रव करने वालों को देखते ही गोली मार दी जाए।

सरकार ने सड़कों पर सेना को उतारा, उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

प्राइमरी स्कूलों में स्मार्ट क्लास और जल्द रिमोट लर्निंग सिस्टम से होगी पढ़ाई

योगी के संकल्प से बदली बेसिक शिक्षा की दशा और दिशा

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बेसिक शिक्षा में आमूल चूल परिवर्तन की मुहिम रंग ला रही है। पिछले पांच सालों में मुख्यमंत्री के संकल्प से प्राथमिक विद्यालयों की न सिर्फ दशा और दिशा बदली है, बल्कि स्कूलों में संसाधनों और सुविधाओं में भी इजाफा हुआ है। इसी कारण प्राइमरी स्कूलों में बच्चों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अब बच्चों को शुरूआत में ही तकनीक से जोड़ने के लिए स्कूलों में स्मार्ट क्लास होंगे और रिमोट लर्निंग सिस्टम से पढ़ाई होगी। मुख्यमंत्री योगी ने बेसिक शिक्षा के महत्व को देखते हुए वित्त वर्ष 2016-17 में 55 हजार 176 हजार करोड़ से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2021-22 में 63 हजार 455 तक पहुंचाया है। इसके अलावा निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से एक लाख 22 हजार 054 शिक्षकों की भर्ती की है। 2019 में मिशन प्रेरणा के रूप में लर्निंग आउटकम आधारित शिक्षण प्रक्रिया को अपनाया गया है और सभी स्कूलों में शिक्षण के लिए एनसीईआरटी गणित किट उपलब्ध कराई गई है। योगी-2 में अब मुख्यमंत्री योगी का शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर है। इसीलिए वह खुद प्राइमरी स्कूलों में जाकर शिक्षा की गुणवत्ता परख रहे हैं। योगी ने चार अप्रैल को श्रावस्ती जिले में शैक्षिक सत्र 2022-23 में परिषदीय स्कूलों में बच्चों का नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान की शुरूआत की। प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को तकनीकी से जोड़ने के लिए डिजिटल शिक्षा पर भी फोकस किया जा रहा है।

वैवाहिक रेप अपराध है या नहीं, बंटे जज

नई दिल्लीः मैरिटल रेप को लेकर बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। फैसला सुनाते समय हाईकोर्ट के दोनों जजों ने इस पर अलग-अलग राय जाहिर की। जस्टिस शकधर ने कहा- आईपीसी की धारा 375, संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है। लिहाजा, पत्नी से जबरन संबंध बनाने पर पति को सजा दी जानी चाहिए। वहीं जस्टिस सी हरिशंकर ने कहा- मैरिटल रेप को किसी कानून का उल्लंघन नहीं माना जा सकता। बेंच ने याचिका लगाने वालों से कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

प्राविधिक शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश का आगमन आज

सहसों। उत्तर प्रदेश सरकार में प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता संरक्षण व बाट माप मंत्री आशीष पटेल का आगमन प्रयागराज जनपद में भ्रमण के दौरान सहसों बाजार में आज गुरुवार को हो रहा है। जिनका सहसों में जोरदार स्वागत के लिए आग्रह किया गया है कि अपना दल यस एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर उनका जोरदार स्वागत करें। उक्त आशय की जानकारी पूर्व सांसद फूलपुर नागेन्द्र प्रताप सिंह पटेल ने दी है।

रिठैया निःशुल्क स्वस्थ्य शिविर आज

झूंसी। दिवाकर सिंह मानव सेवा संस्थान के सौजन्य से रिठैया में जेबी क्लिनिक पर आज निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जनकारी देते हुए क्लिनिक के प्रबंधक लाल प्रभाकर सिंह ने बताया कि निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में खांसी, बुखार, दमा, टीवी, शुगर, बीपी, थायराइड, पेट रोग, मुहासे, कुष्ठ रोग का निशुल्क इलाज व परामर्श कुशल एवं प्रशिक्षित डॉक्टर अनिल विद्यार्थी स्किन रोग विशेषज्ञ व डॉ. केके राव एमडी चेस्ट द्वारा किया जायेगा।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को कराया बंद, मचा हड़कंप

प्रयागराज के नवसृजित भगवतपुर ब्लॉक में बीईओ ओपी मिश्रा ने किया सघन जांच, ब्लॉक के 16 विद्यालयों को पहले ही दी जा चुकी थी नोटिस

प्रयागराज के भगवतपुर ब्लॉक में स्कूल की जांच करते बीईओ ओपी मिश्रा।

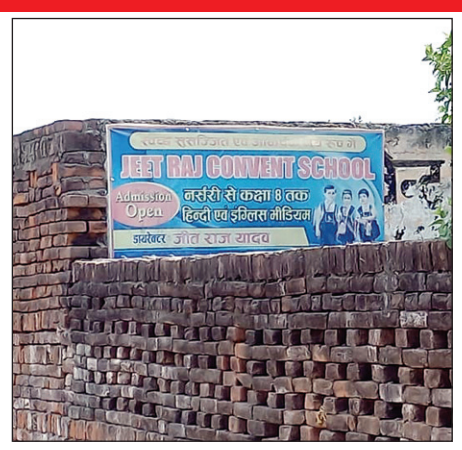

प्रयागराज के भगवतपुर ब्लॉक में कुछ इस तरह संचालित रहे गैर मान्यता प्राप्त स्कूल।

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। अवैध रूप से ब्लॉक में चल रहे गैर मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर एक बार फिर गाज गिर गई है। नोटिस दिए जाने के बाद भी अवैध रूप से संचालित हो रहे विद्यालयों को बंद कराया गया। बिना मान्यता स्कूल चलाने वाले संचालकों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही करने की सख्त चेतावनी भी दी गई है।

प्रयागराज का कौड़िहार द्वितीय अब नवसृजित भगवतपुर ब्लॉक के नाम से संचालित है। जहां बगैर मान्यता के संचालित हो रहे 16 स्कूलों को बंद करने के लिए कौड़िहार खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने पूर्व में ही संचालकों को नोटिस थमा दी थी। प्रयागराज के नवसृजित भगवतपुर ब्लॉक में धड़ल्ले से गैर मान्यता प्राप्त स्कूल चल रहे थे। कौड़िहार खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा के सघन जांच में कुछ दिन पूर्व 16 चिन्हित गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को तत्काल प्रभाव से स्कूल बंद करने के लिए नोटिस दी गई थी। बुधवार को एक बार पुनः जांच के दौरान जीतराम कन्वेंट स्कूल, शेरपुर बीड़ीएस कन्वेंट स्कूल, जलालपुर घोसी, जेके बॉम्बे इंग्लिश स्कूल कटहुला और ग्राम सभा पावनपुर में लक्ष्मी प्राथमिक स्कूल को बंद कराया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्रा ने कहा कि शासन की मंशा के मुताबिक इस तरह के गैर कानूनी तौर पर संचालित विद्यालयों को कतई तौर पर चलने नहीं दिया जाएगा। गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के संचालक यदि मनमानी करते हैं तो उनके विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

न्यूज झरोखा

फर्जी माप तौल अधिकारी बनकर गाँव गिराव के छोटे दुकानदारों की कर रहे हैं वशूली

लेडियारी। कोरांव तहसील के खीरी थाना अंतर्गत खीरी ग्राम पंचायत के निवासी शीतला प्रसाद शुक्ल की छोटी सी किराने की दुकान है। बीते दिन कुछ लोग उनके दुकान पर आये और कहा कि हम माप तौल विभाग से हैं अपना काँटा बाँट जाँच कराईये। साधारण स्वभाव के शीतल प्रसाद शुक्ल जल्दी जल्दी काँटा बाँट चेक कराने लगे। बने हुए अधिकारियों ने बाँट मे खुरेच खुरेच कर डेट डाली और एक 1400 रुपये की पर्ची थमाई जिसे देख शीतला स्तब्ध रह गए और गिडगिड़ाने लगे और कहने लगे कि 'साहब इतना कैसे दे पाएंगे, हमारी छोटी सी दुकान है बड़ी मुश्किल से घर का खर्चा ही निकाल लूँ यही बहुत है साहब कुछ कम कर दीजिये 'जिस पर उन लोगों ने आपस मे बात चीत कर-के 1050 की पर्ची बनाई और पैसा लेकर रफू चक्कर हो गये। बाद मे पर्ची को बारीकी से देखा गया तो पर्ची काँटा बाँट बनाने वाली व्यक्तिगत संस्थागत निकली जिसका किसी भी सरकारी एवं आधिकारिक प्रमाण नही है। इसी तरह से फजी माप तौल विभाग कर्मचारी बनकर कई क्षेत्रों मे छोटे दुकानदारों को ठग रहे हैंअतः प्रशासन को इनकी जाँच पड़ताल करना औचित्य पूर्ण है।

इंसानियत दिल मे होती है हैसियत मे नहीं : विनायक

माँ सेवा संस्थान के सदस्यों ने गौवंश की बचाई जान

करछना। प्रयागराज उपरवाला कर्म देखता है वसीयत नही मौत के आगोश में पीडित गौवंश की जान बचा कर एक इंसानियत का फर्ज अदा किया प्रयागराज के करछना तहसील क्षेत्र के रोकडी गांव की सामाजिक संस्था माँ सेवा संस्थान के सदस्यों ने देखा कि किसी निर्दयी मनुष्य के द्वारा सांड देवता को रस्सी से बांध दिया गया था और नाक में नकेल भी लगा दी गई थी और काम भी करवाया जाता था सांड देवता से एक सींग भी तोड़ दी गई थी जिससे सड़न पैदा हो गयी थी लगभग 25 दिनों से सांड देवता को ये तकलीफ थी इसकी सूचना जैसे ही संस्थान के सदस्यों को मिली वहाँ गया उसके बाद फोन करके संस्थान के महामंत्री आकाश भाई पटेल को दी वो तुरंत बलदेव भारती के साथ आए और सींगों पर मारने के लिए स्प्रे भी ले आए स्प्रे मारते ही तकलीफ से राहत हुई और रस्सी भी काट दी गई वहाँ पहले से ही मौजूद पंकज तिवारी , शिवम तिवारी सभी के सहयोग से इस तकलीफ से सांड देवता गौवंश को पीडा से निजात मिली ।

फूलपुर में आग की चपेट में गृहस्ती का सामान जल कर खाक

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र के ग्रामसभा चक अपराद में अज्ञात कारणों से लगी आग में तीन परिवार तबाह हो गए। आग की चपेट में सारा गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के चक अफराद गांव निवासी अजय बहादुर बिंद,अजय बिंद,नवनीत बिंद के छप्पर में अज्ञात कारणों से मंगलवार शाम को आग लगने की वजह से घर में रखा अनाज,कपड़ा,आभूषण,भूसा,नगदी सहित गृहस्थी का सारा सामान जलकर खाक हो गया।आग की लपटें देख ग्रामीण आग बुझाने का प्रयास किये। मगर तब तक आग ने भीषण रूप ले लिया था। बहुत मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। सूचना पर ग्राम प्रधान पहुंचे। ग्राम प्रधान ने कहा कि पीड़ित परिवार की हर संभव मदद करूंगा और शासन से मदद दिलाने का प्रयास करूंगा। योगी ने आग लगने की सूचना हल्का लेखपाल को दी। सूचना पर हल्का लेखपाल राजेन्द्र प्रसाद सोनकर ने मुवायना करते हुए कहा की मौके का निरीक्षण किया।पीड़ितों को अहेतुक सहायता दिलाई जाएगी। रिपोर्ट जिला अधिकारी समेत शासन को भेज दिया जाएगा।

पूर्व प्रधान जंघई नंदलाल जायसवाल की पुण्यस्मृति में शीतल पेयजल की व्यवस्था

जंघई। पूर्व प्रधान प्रीति कल्लू जायसवाल द्वारा अपने माता पिता एवं जंघई ग्राम सभा के सबसे अधिक कार्यकाल तक प्रधान रहे नंदलाल जायसवाल एवं शारदा जायसवाल की पुण्यस्मृति में हंडिया रोड स्थित अपने भवन के सामने सार्वजनिक शीतल पेयजल की व्यवस्था हेतु मशीन लगवा कर अपने माता पिता को श्रद्धांजलि अर्पित किया है।जंघई बाजार में आने जाने वाले एवं बाजार के निवासियों के लिए यह व्यवस्था की गई है इस व्यवस्था का लाभ निशुल्क लोग ले सकते हैं। धर्मेंद्र कल्लू जायसवाल, दीपक जायसवाल द्वारा किए गए जनहित एवं पुण्य कार्य की सभी ने सराहना किया है।

अचेतावस्था में मिला अज्ञात युवक, भर्ती

झूंसी। थानान्तर्गत लखराजपुर मखनिया के बाग के पास एक युवक अचेतावस्था में सड़क के किनारे पड़ा मिला। सुबह टहलने वाले लोगों ने देखा तो युवक अचेत पड़ा था। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ लग गई सूचना मिलने पर पहुची 108 एम्बुलेंस के इएमटी संतोष भारतीया चालक धर्मपाल अचेत युवक को सीएचसी बनी ले गए जहाँ से डॉक्टरों ने मरीज की गंभीरता को देखते हुए एसआरएन अस्पताल के लिए रिफर कर दिया फिर 108 एम्बुलेंस से एसआरएन में भर्ती कराया जहाँ युवक का इलाज चल रहा है। देखने से प्रतीत हो रहा था कि युवक जहर खुरानी का शिकार हो गया है युवक अपना नाम पता नहीं बता पा रहा था।

विद्यालय का सर्वांगीण विकास करना ही मेरे जीवन का लक्ष्य- परशुराम त्रिपाठी

अखंड भारत संदेश

जंघई। नागरिक इंटर एवं पीजी कॉलेज जंघई के प्रबंधक परशुराम त्रिपाठी ने कहा है कि विद्यालय में हमारे क्षेत्र के बच्चे पढ़ते हैं विद्यार्थियों एवं विद्यालय का सर्वांगीण विकास करना ही मेरे जीवन का लक्ष्य है। विद्यालय प्रबंध समिति पर कुछ लोग बहकावे में आकर तथ्यहीन आरोप प्रत्यारोप लगाते रहते हैं कि नागरिक इंटर कॉलेज की जमीन बेच दिया गया जो कि पूर्णतः अनुचित एवं असत्य है। विद्यालय की जमीन जो कि जगह जगह गड्ढे थे उस पर हमने पीलर बनवा कर बाउंड्री वॉल बनवाया और कमरा बनवा कर सरकारी नियमों के तहत जरुरतमंदों के मध्य 29 साल के एग्रीमेंट एवं किराये पर दिया गया है ताकि गरीबों एवं क्षेत्रीय लोगों को रोजगार मिले। पहले खाली पड़ी जमीनों पर अतिक्रमण करके लोग गोमती रखकर कब्जा कर रखा था कुछ लोगों ने कालेज की जमीन पर बहुत पहले ही स्वयं का पक्का निर्माण कार्य करवा दिया है वहीं लोग परेशान हैं पुनः कब्जा करना चाहते हैं। विद्यालय की खाली जमीन पर चारों तरफ गंदगी रहती थी रात के समय आने जाने वालों के साथ छिनैती होती थी दुकान बन जाने से लोगों को रोजगार मिला है 24 घंटे लोगों का आवागमन रहता है भय का माहौल समाप्त हुआ।जिनको कोई संशय हो वह हकीकत पता करें और अर्थहीन आरोप न लगाया करें।विद्यालय की जमीन पर समस्त निर्माण हुआ है ग्राम समाज की जमीन पर कोई निर्माण नहीं हुआ है।कुछ फर्जी पत्रकार जो कि जमीन पर कई वर्षों से नजर गड़ाए है जिसको क्षेत्र के कुछ लोग समर्थन कर रहे हैं यह अनुचित है। यह लोग अपने मंसूबे में सफल नहीं होंगे मेरे उपर अनावश्यक दबाव डालकर धन उगाही करना चाहते हैं कालेज की जमीन पर भूमाफिया लोग नजर गड़ाए है लेकिन उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब क्षेत्र की जनता एवं विद्यालय परिवार के अभिवावक दे रहे हैं और भविष्य में देंगे।

जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष कई घायल मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी डंडों से मार कर लहुलुहान कर दिया। जिसमें आधा दर्जन को चोटें आयी है। पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक तथा अन्य अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है । मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम चौहान का पूरा निवासी कृष्ण भान सिंह पुत्र स्वर्गीय प्रभु सिंह का आरोप है कि जमीनी विवाद को लेकर उनके विपक्षी एक राय होकर लाठी डंडे से हमला बोल दिए। तथा दौडा दौडा कर लहुलुहान कर दिए। जिसमें अरुण सिंह ,सोनिका, चन्दभान ,रमाकांत, आशा ,लक्ष्मी ,विमला आदि को गंभीर चोटें आयी है। पुलिस ने कृष्ण भान की तहरीर पर संदीप सिंह, विनोद सिंह, प्रवेन्द्र सिंह ,रण विजय सिंह ,राजू ,सोनू ,जयचंद्र तथा दर्जनों अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

एसडीएम ने विधायक संग अतिक्रमण हटाने के लिए की बैठक

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। नगर पंचायत कोरांव में प्रतिदिन लग रहे जाम के झाम से निजात दिलाने के लिए नवागंतुक उपजिलाधिकारी शुभम श्रीवास्तव क्षेत्रीय विधायक संग एक बैठक किया। जिसमें उन्होंने सबसे पहले व्यापारियों को अपनी दुकानें नाली के बाहर लगाने को लेकर मुनियादी करवाने की बात कही जिससे अतिक्रमण हटाने के पहले सभी व्यापारी सचेत हो जाएं। उपजिलाधिकारी ने कहा कि जो दुकानदार अपनी दुकानें नाली के बाहर लगाएगा उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उपजिलाधिकारी शुभम श्रीवास्तव लोगों की जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए काफी सख्त दिखते नजर आए और उनको तहसील कोरांव का कार्यकाल दो दिन ही हुए संभाले और सबसे पहले वह आम जनमानस से जुड़े मुख्य समस्या को दूर करने की कोशिश करते नजर आए। उन्होंने बैठक में सभी स्थानीय अधिकारियों एवं क्षेत्रीय विधायक के समक्ष यह भी कहा कि जितनी भी जनमानस से जुड़ी समस्याएं हैं उनको बारी बारी से निस्तारण कराए जाएंगे। इस दौरान मुख्य रूप से तहसीलदार डा. विशाल शर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष नरसिंह केशरी, थाना प्रभारी रामाश्रय यादव, विधायक पीआरओ राम आसरे शुक्ला, एसडीएम एसटोनो प्रभात कुमार, अजीत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

दुकानदार अपने दायरें में लगाए दुकान रोड के किनारे पटरियों को रक्खे खाली

अग्नि पीड़ित परिवार की मदद को आगे आए व्यापारी नेता

पीड़ित परिवार को राहत सामग्री प्रदान करते भाजपा नेता

अखंड भारत संदेश

झूंसी। अग्निकांड से प्रभावित परिवार की मदद को व्यापारियों ने हाथ बढ़ाया है। बुधवार को व्यापारी नेता अमर वैश्य मुन्ना भैया व समाजसेवी रोटेरियन प्रमोद बंसल पीड़ित परिवार से मिल कर आर्थिक मदद के साथ खाद्यान सामग्री व कपड़े, जेवरात प्रदान किये। आवास विकास कालोनी योजना 3 के सेक्टर 11 में झुग्गी डाल कर परिवार के साथ रह रहे भीमसेन साकेत की झुग्गी में 5 मई को शार्ट शर्किट से आग लग गई थी। जिसमे गृहस्थी के समान के साथ बेटी की शादी के लिए रखी डेढ़ लाख नगदी लाखो के जेवरात भी जल गए थे। भीमसेन साकेत की दो बेटियों की शादी 16 मई को है। बुधवार को अखिल भारतीय व्यापर मण्डल के राष्ट्रीय मंत्री अमर वैश्य मुन्ना भैया, समाजसेवी रोटेरियन प्रमोद बंसल, अनिल गुप्ता पीड़ित परिवार के घर पहुच कर शादी के लिए खाद्य सामग्री, दो हार, पायल, कान का व 5100 रुपये नगद के साथ कपड़े प्रदान किये और क्षेत्र वासियो से पीड़ित परिवार की मदद की अपील की।

कथा मंच से बखानी ध्रुव की महिमा

जसरा। ईश्वर में ध्रुव की अटल आस्था,भक्ति नें उन्हे संसार का सबसे बालभक्त बनाकर सदा-सदा के लिए आकाश लोक में स्थान दे दिया है। बालपन से ही भगवान के भक्त ध्रुव उनकी भक्ति में ऐसा रमे कि अल्प अवधि में ही ईश्वर कृपा प्राप्ति कर अमर हो गये। यह बातें पाण्डर के भैरोपाल का पूरा मजरे में चल रही श्रीमद्भावत महापुराण कथा के तीसरे दिन आचार्य वंशीनंदन राधे शुक्ल ने व्यासपीठ से कही। उन्होने सती चरित्र का बखान करते हुए श्रोताओ को भाव विभोर कर दिया। सती के सतित्व का बखान करते हुए अपनी मार्मिक कथा के दौरान दक्ष प्रजापति द्वारा यज्ञ की रचना करने से लेकर यज्ञ कुण्ड में जीवन लीला समाप्त करने हेतु सती के कूदने और आगे चलकर भगवान शंकर द्वारा सती के जलते स्वरूप को लेकर लोक भ्रमण करने और देवी शक्तिपीठों के मान्यताओं से जुड़ी कथा पर सभी को भाव विभोर कर दिया।संगीतमय कथा के दौरान भागवत का महात्म और आरती भजनों की प्रस्तुति से भक्तजन गद्गद हो उठे। मुख्य यजमान ससनीक राधेश्याम त्रिपाठी ने महापुराण और कथा व्यास का माल्यार्पण स्वागत किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रोता व महिलाएं मौजूद रहे।

शुआट्स वैज्ञानिकों ने दी किसानों को सलाह

अखंड भारत संदेश

नैनी, प्रयागराज। सैम हिग्गिन बॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय शुआट्स में चल रहे ग्रामीण कृषि मौसम सेवान्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार वैज्ञानिकों ने कृषकों को सलाह दी है कि यदि अनाज को बोरियों में भरकर रखना हो तो नीचे पर्याप्त मात्रा में भूसे व नीम की सूखी पत्तियों की तह बिछा दें तथा बोरे को दीवार से 50 सेंमी दूर रखें । हल्दी की कस्तूरी पास्पु , अमलापुरम , मधुकर , कृष्णा , सुगना , राजेन्द व अदरक की सुप्रभा , सुरचि , सुरभि व हिमगिरि उपयुक्त प्रजातियां हैं । रोपे गये केले में 25 ग्राम नाइट्रोजन (55 ग्राम यूरिया) पौधे से 40-50 सेंमी दूर गोलाई में डालकर , गुड़ाई करके मिट्टी में मिला दें । सूरजमुखी की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई व निराई - गुड़ाई करें । इसके साथ ही पौधों पर 15-20 सेंमी मिट्टी भी चढ़ा दें। गर्मी में बोई गई मूँग , उर्द और लोबिया की फसल में 12-15 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करते रहें। गन्ने की पेड़ी से अच्छी उपज लेने के लिए प्रति हेक्टेयर 75 किग्रा नाइट्रोजन (163 किग्रा . यूरिया) पहली फसल काटने के बाद तथा 75 किग्रा नाइट्रोजन (163 किग्रा . यूरिया) दूसरी या तीसरी सिंचाई के समय या फसल काटने के 60 दिन पर प्रयोग करना चाहिए । हरी खाद की फसलें 45-50 दिन में पलटने योग्य हो जाती हैं । अतः रोपाई के समय को ध्यान में रखते हुए बुवाई करें। गुलाब में आवश्यकतानुसार सिंचाई व गुड़ाई करते रहें। पशुओं के लिए स्वच्छ पानी की पर्याप्त व्यवस्था करें तथा पशुओं को सुबह एवं सांय नहलायें।

बुजुर्ग ग्रामीणों ने बनाया सहसों गोल चौराहे को स्वच्छ एवं हरा-भरा

अखंड भारत संदेश

सहसों। अपने सूरतेहाल पर बदहाल सहसों गोल चौराहा को क्षेत्र के वरिष्ठ बुजुर्ग ग्रामीण नागरिकों ने स्वच्छ सुंदर एवं हरा भरा बनाया। सहसों का ऐतिहासिक गोल चौराहा अपने आप में महत्वपूर्ण है। चौड़ीकरण के दौरान एक मीटर परिधि में कम होने के बावजूद भी गोल चौराहे की प्रसिद्धि आज भी उतना ही बरकरार है कि जितना आजादी के बाद देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरु ने अंतिम रुप दिया था। सहसों गोल चौराहे से फाफामऊ, प्रयागराज, हनुमानगंज सहित गोरखपुर तथा अन्य जनपदों में जाने के लिए वाहन हर समय उपलब्ध रहते हैं। परन्तु पटरी दुकानदारों सहित अन्य दुकानदारों द्वारा सहसों गोल चौराहे को कूड़ेदान में बदल दिया गया था। जिसमें बड़ी बड़ी झाड़ियां गंदगी का अंबार लगा हुआ था। उपेक्षा का शिकार सहसों गोल चौराहा अपने आप में आंसू बहाने को मजबूर था। मॉर्निंग वॉक के दौरान वरिष्ठ ग्रामीण नागरिकों की निगाह इस ऐतिहासिक गोल चौराहे पर गहराई से पड़ी तो सभी लोगों ने मिलकर संकल्प लिया कि इसे स्वच्छ सुंदर तथा हरा भरा बनाएंगे। संकल्प से सिद्धि की ओर बढ़ते हुए प्रवक्ता सत्येंद्र सिंह के अगुवाई में वरिष्ठ ग्रामीण नागरिक एवं सेवानिवृत्त गणमान्य व्यक्तियों ने 17 अक्टूबर 2021 से स्वच्छता अभियान प्रारम्भ किया। धीरे धीरे लोग जुड़ते गए तथा प्रतिदिन वरिष्ठ ग्रामीण नागरिकों एवं गणमान्य व्यक्तियों का कारवां सुबह चार बजे से साफ-सफाई, पौधारोपण, आकर्षक फूल एवं हरे भरे पौधों की सिंचाई का कार्य करने लगे। वर्तमान समय में विभिन्न प्रजातियों एवं औषधीय गुण वाले लगभग दो सौ स्थाई पौधों के अतिरिक्त सैकड़ों वातावरण को स्वच्छ बनाने वाले पौधे तैयार हैं। प्रवक्ता सत्येंद्र सिंह ने बताया कि वर्ष भर में छत्रपति साहू जी महाराज की मूर्ति के चलते कभी-कभी राजनैतिक लोग मीटिंग करके याद कर लेते थे परन्तु कुछ दिन बाद पुनः बदहाल स्थिति बनी रहती थी। वरिष्ठ नागरिकों के प्रकृति प्रेम को देखते हुए क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों में ब्लाक प्रमुख फूलपुर वीपेन्द्र सिंह पटेल एवं ब्लाक प्रमुख सैदाबाद राजेंद्र सिंह पटेल ने इंटरलॉकिंग तथा पेयजल व सिंचाई के लिए समरसेबल पम्प लगवाकर अति सराहनीय कार्य दिया। इसके अलावा कुछ संभ्रान्त व्यक्तियों ने स्मृति के तौर पर सीमेंट की बेंच रखवा दिया जिसपर सुबह शाम बैठकर लोग ताजी हवा के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण मे विचार विमर्श करते हैं। इस संबंध में सेवानिवृत्त गणमान्य जनो में दिग्विजय सिंह, महेंद्र कुमार सिंह, चंद्रभान सिंह, प्रेम सिंह, राम प्रकाश सिंह, प्रमोद सिंह, राम प्रताप सिंह एवं रामानुज सिंह ने बताया कि प्रतिदिन हजारों गाड़ियों के आवागमन से सहसों चौराहा बुरी तरह प्रदूषण की चपेट में आ गया था तथा गोल चौराहे के अंदर भीषण गंदगी के चलते बदहाल स्थिति में दुर्गंध से भरा था। हम सब लोगों ने विचार-विमर्श के बाद स्वच्छ वातावरण एवं ताजी हवा के लिए पौधारोपण करते हुए मार्निंग वाक तथा इवनिग वाक के लिए हरियाली से परिपूर्ण कर महत्वपूर्ण जगह के रूप में विकसित किया जो आज आकर्षण का केंद्र है। इतनी नहीं इन महान बुजुर्ग ग्रामीण नागरिकों ने गोल चौराहे के चारों छोर पर बने तिकोनिया को भी बदहाली से उबार कर साफ सफाई स्वच्छ एवं हरा-भरा करने में जुट गए हैं। परन्तु मौका ए हाल पर एक ओर जहां सहसों गोल चौराहा स्वच्छ सुन्दर दिख रहा है वहीं गोल चौराहे के बीचों बीच खड़ी हाल बेहाल कीमती स्ट्रीट लाइट आंख बंद कर रो रही है।

श्रीमद् भागवत कथा में श्रीकृष्ण की बाललीला एवं गोवर्धन पर्वत लीला का कथा व्यास ने सुनाया रोचक वर्णन

अखंडीारत संदेश

जसरा। जसरा में हो रहे श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा ब्यास सुश्री जयंती शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद गोकुल में मनाए गये नंदोत्सव भगवान श्रीकृष्ण की वाल लीला एवं गोवर्धन पर्वत लीला का रोचक वर्णन किया जिसे सुन श्रोता झूम उठे। कथा ब्यास सुश्री जयंती जी ने बताया कहा कि शरीर की सफाई से ज्यादा हृदय की सफाई जरूरी है। क्योंकि जो अपमान का घूंट पीकर भी अपमान करने वाले का सम्मान करना जानता है वास्तव में वह ही ईंसान है।

उन्होंने कहा कि भगवान शंकर ने विष को धारण किया और अमृत देवताओं के लिए दे दिया। विष धारण करने के बाद ही उन्हें देवों के देव महादेव की ख्याति मिली। उन्होंने कहा कि त्याग करने वाला मनुष्य महान होता है, इसलिए प्रत्येक मनुष्य को चाहिए कि उसके पास जो है उसमें संतुष्ट रहकर अपना जीवन सुखमय बनाए। कथा के दौरान उन्होंने नंदोत्सव एवं भगवान श्रीकृष्ण बाल लीलाओं का वर्णन किया। जिसे सुन श्रोताओं के नेत्रों में खुशी के आंसू झलक आए। वहीं भगवान श्रीकृष्ण के जय उद्घोष से पंडाल गूंज उठा। श्रद्धालु भक्तों ने बधाई गीत गाकर कृष्ण जन्म की बधाई दी। भजनों पर भक्त झूमते नजर आए। कथा श्रवण के दौरान मुख्य यजमान सपत्नीक राजू केसरवानी, शीबू, संकल्प, राजाबाबू पाठक,कमला कान्त दुबे, हरिविलास पांडेय, चन्द्रशेखर पांडेय आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

रिटायरकर्मी ने बाथरूम में लाइसेंसी बंदूक से गोली मारकर की आत्महत्या

प्रयागराज। शाहगंज में रहने वाले रिटायर कर्मचारी स्वर्ण सिंह बग्गी उर्फ बिट्टू सरदार (62) ने खुद को गोली से उड़ा लिया। बाथरूम में जाकर लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली। फायरिंग की आवाज सुनकर बेटी पहुंची तो पिता को खून से लथपथ मृत पड़ा देख चीखने लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की वजह साफ नहीं है लेकिन बीमारी के साथ ही घरेलू कलह की भी चर्चा रही। बिट्टू राज्य भंडारण निगम से दो साल पहले रिटायर हुए थे। वह शाहगंज सब्जी मंडी में राधा कृष्ण मंदिर के पास रहते थे।

परिवार में पत्नी तरनजीत कौर के अलावा एक बेटा शनि व बेटी सोनी हैं। बेटी अपने पति मनीष व दो बच्चों के साथ मायके में ही रहती है जबकि बेटा अपनी पत्नी के साथ कानपुर में रहता है। बुधवार दोपहर में 3.30 बजे के करीब पत्नी बाजार चली गई जबकि बेटी बच्चों को लेकर सो रही थी। तभी अचानक बाथरूम से गोली चलने की आवाज आई।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव संपन्न, 81 प्रतिशत मतदाताओं ने डाले वोट

अखंड भारत संदेश

मतदान के दौरान वकीलों में दिखा जमकर उत्साह

प्रयागराज। जिला अधिवक्ता संघ के वार्षिक चुनाव में आज सुबह 9 से शाम 5 बजे तक मतदान कराया गया है। चुनाव अधिकारी के अनुसार, 81 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकारी प्रयोग किया। गौरतलब है कि 4879 मतदाता अध्यक्ष और मंत्री सहित आठ पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी के 10 सदस्यों का चुनाव करेंगे। हाईकोर्ट की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक की निगरानी एडल्ट कमेटी के सदस्यों की देख देख में डीएम व एसएसपी की मौजूदगी में मतदान की पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न की गई। मतगणना संगम सभागार में गुरुवार सुबह से होगी। सीसीटीवी कैमरे में मतपेटी कलेक्ट्रेट स्थित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई है।

आज होगी मतगणना : 12 मई को संगम सभागार में मतगणना के पश्चात परिणाम घोषित हो सकेंगे। गौरतलब है कि मतदाता 4879 हैं। जिनमें आजीवन सदस्यों की संख्या 1131 व साधारण सदस्यों की संख्या 3748 है। मतदान सकुशल संपन्न कराने के लिए 120 अधिवक्ताओं की सेवा ली जा रही है। कुल 20 बूथ बनाए गए हैं।मतदान के लिए सभी अधिवक्ताओं को ड्रेस में आना होगा। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की ओर से सीओपी नंबर यूपी पहचान पत्र साथ लाना होगा। विकल्प के रूप में बार काउंसिल से जारी रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र, जिसमे सीओपी नंबर अंकित हो, उसे प्रयोग किया जा सकता है। एल्डर कमेटी ने निर्देश जारी किये हैं कि मतदान स्थल के मुख्य प्रवेश द्वार से 25 मीटर की दूरी पर ही प्रत्याशी अपना चुनाव कार्यालय बनाएंगे।

रूट रहेगा डायवर्ट : कचहरी की ओर आने वाले सभी वाहनों के जाएंगे परंतु अधिवक्ताओं की वाहन को प्रवेश दिया जाएगा। वाहन की पार्किंग एसएसपी कार्यालय के सामने जिला अधिवक्ता संघ की पार्किंग स्थल में होगी कचहरी की ओर जाने वाले वाहनों को टेंपो स्टैंड, लक्ष्मी टॉकीज चौराहा और जगराम चौराहा के पास से रोक दिया जाएगा।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्यवाही:

एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि बड़ी संख्या में गैस्टेड आफिसर के साथ 600 की संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगी। इसमें जिला पुलिस के अलावा पीएसी और पैरामीलिट्री बल तैनात रहेंगे। सीसीटीवी कैमरे की भी व्यवस्था की गई है। छतों पर भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। जिनके हाथ में वीडियो कैमरा भी होगा। एलआईयू के लोग भी सक्रिय किये गए हैं। उन्होंने अराजक व अफवाह फैलाने वाले शरारती तत्वों को चेतावनी दी कि यदि चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करते हैं तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही के साथ जेल भेजा जाएगा।

हंडिया में ट्रेन से कटकर युवती की मौत,बीरापुर गांव के पास हुआ हादसा

हंडिया। प्रयागराज के हंडिया थाना अंतर्गत बरौत पुलिस चौकी क्षेत्र के बीरापुर गांव के सामने ग्रामीणों ने ट्रेन की पटरी पर एक युवती का कटा हुआ शव देखा। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी बरौत पुलिस को दिया पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया।जहां युवती के पहचान पत्र के आधार पर उसका पहचान हुआ पुलिस युवती के परिजनों को सूचित करते हुए शव को कब्जे में लेकर लिखा पढ़ी के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि हंडिया थाना अंतर्गत बरौत पुलिस चौकी के भीटी रेलवे स्टेशन के पश्चिम आउटर के पास बीरापुर कसौधन गांव के सामने रेलवे पटरी पर ग्रामीणों ने एक युवती का कटा हुआ शव देखा तो लोगों के होश उड़ गए। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दिया ।जानकारी होने पर चौकी प्रभारी बरौत सूर्य प्रकाश द्विवेदी ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया तो युवती के पास से पहचान पत्र मिला। जिसमें युवती का नाम संजू यादव पुत्र राजदेव यादव उम्र लगभग 24 वर्ष निवासी सदरेपुर धनुपुर लिखा था। इसकी सूचना पुलिस युवती के परिजनों को दिया। परिजन रोते बिलखते मौके पर पहुंचे और शव को पहचान लिया। वहीं परिजनों ने बताया कि युवती का मानसिक संतुलन ठीक नहीं चल रहा था।बहरहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर लिखा पढ़ी के बाद पोस्टमार्टम के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय प्रयागराज भेज दिया।

मृत दो गोवंशों की वीडियो इंटरनेट पर हुआ वायरल, अधिकारियों में मची खलबली

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। मेजा के भटौती इलाके में निर्मित गोवंश आश्रय स्थल केंद्र के बाहर मृत दो गोवंशों की वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने से स्थानीय प्रसाशन में खलबली मच गई है। वायरल वीडियो में मृत गोवंशों का आलम यह है कि आवारा कुत्ते गोवंशों का हलाला कर रहे हैं। वीडियो लोगों में चर्चा का विषय बन गया है। वही स्थानीय प्रसाशन भी मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। बतादें की मेजा के भटौती इलाके में लाखों की लागत से निर्मित कराए गए गोवंश आश्रय स्थल केंद्र के बाहर मृत दो गायों की वीडियो मंगलवार की दोपहर इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गई। इससे स्थानीय प्रसाशन सहिय गोपालकों में खलबली मच गई है। वायरल वीडियो में यह भी देखा जा रहा है कि उक्त केंद्र से महज दूरी पर मृत अवस्था मे पड़ी दो गायों का आवारा कुत्ते हलाला कर रहे हैं। वायरल वीडियो में यह भी बताया जा रहा है कि उक्त गोवंश आश्रय स्थल केंद्र में दर्जनों से अधिक पशु मरणासन्न अवस्था में पड़े हुए हैं। लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। वहीं वायरल वीडियो की पुष्टि हेतु मेजा एसडीएम विनोद कुमार पांडेय एवम भटौती ग्राम प्रधान से वार्ता करने का प्रयास असफल रहा। जबकि तहसीलदार गजराज यादव ने कहा कि इसकी जांच कराकर दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

शिव बारात में उमड़े लोग, भक्ति गीतों पर महिलाओं ने लगाए ठुमके

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। सिरसा मार्ग श्री सिद्ध हनुमान मानस मंदिर व मिजार्पुर मार्ग पावर हाउस के पास शिव मन्दिर के पास होते पुनः बड़े हनुमान मंदिर परिसर पंहुची। शिव बारात मे भक्ति गीतों पर सैकड़ों की संख्या में भक्तों व महिलाओं ने जमकर थिरके। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा की पालकी निकाली। जिससे पूरा मेजारोड शिवमय हो गया। शिव बारात मे सैंकडों से ज्यादा नर-नारियों ने सहभागिता की बारात में गाजे-बाजे एवं विभिन्न प्रकार की भोले नाथ के विभिन्न स्वरूपों तथा राक्षसों की झांकियां निकाली गईं। जो बारात की शोभा बढ़ा रही थीं। इस बारात में अंग्रेजी बाजा सहित विभिन्न प्रकार के बाजे व डीजे शामिल रहे। इसके अलावा हाथी, घोड़े भी शामिल रहे। बारात के बाद मेजारोड के प्रमुख शिवालय प्रांगणों में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। वहीं महिलाओं ने मांगलिक गीत भी गाया।बड़े हनुमान मंदिर के पुजारी गुप्ता परिवार के नर-नारियों ने पीले वस्त्र धारण कर भक्ति गीतों पर झूमते हुए बारात मे थिरकते रहे। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौकी प्रभारी मेजारोड अमृत जायसवाल पुलिस टीम के साथ मौजूद रहे। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी ई नित्यानंद उपाध्याय, फूलचंद्र गुप्ता, रामआसरे गुप्ता, पंचम लाल गुप्ता, प्रेमचन्द्र गुप्ता, दिनेश चन्द्र गुप्ता, उमेश चन्द्र गुप्ता, शिवबाबू गुप्ता, विजय कुमार (चिंटू) गुप्ता सहित गुप्ता परिवार की सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

यूपी में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं : गीता पासी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सोरांव विधानसभा से समाजवादी पार्टी की विधायक गीता पासी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। मुख्यमंत्री जी के दावे कितने खोखले हैं, यहां थानों में बलात्कार , हत्या लूट, डकैती की आए दिन हो रही घटनाओं से प्रमाणित है। भाजपा-आरएसएस लोकतंत्र विरोधी संगठन है। भाजपा सरकार में इसलिए विपक्ष को अपमानित करने की घटनाएं घोर निंदनीय है।गीता पासी ने कहा कि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश राजभर के जीवन को खतरा है। उन पर पिछले दिनों कई हमले हुए हैं फिर भी उनकी सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नही की जा रही है। विपक्षी जनप्रतिनिधियों के साथ दुर्व्यवहार लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला है। गीता पासी ने मांग की है कि सभी विपक्षी नेताओं की पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए जिससे उन्हें जनता के बीच जाने और उनकी आवाज उठाने में कोई खतरा न हो।गीता पासी आज सोरांव विधानसभा के कार्यक्रम में यह बातें कह रही थी। उन्होंने बताया कि आज ही जिला गाजीपुर के थाना करीमुद्दीनपुर के ग्राम गोशलपुर पहदरिया में श्री ओम प्रकाश राजभर जी को 20 -25 दबंगो ने घेर लिया था। ये लाठी - डंडो से लैस थे। श्री राजभर इसी विधानसभा क्षेत्र से जहूराबाद के विधायक है। श्री ओम प्रकाश राजभर और श्री अरविंद राजभर ओर नामांकन के दौरान वाराणसी में भी हमला हुआ था। वहीं सोरांव विधानसभा अध्यक्ष श्याम सिंह उर्फ बच्चा यादव ने भी कहा कि गंगापार में अपराध की बाढ़ सी आ गई है। लगातार हो रही सामुहिक हत्याओं से मौजूदा सरकार के ऊपर से सोरांव की जनता का विश्वास खत्म होता दिखाई देने लगा है।अब तो सोरांव की जनता यह भी कहने लगी है कि यह सरकार कब जाएगी कब पांच साल इसके पूरे होंगे।

अतिक्रमण हटाने गई राजस्व और पुलिस टीम पर हमला

दरोगा की वर्दी फाड़ी, महिला सिपाही से बदसलूकी

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के देवरा गांव में अतिक्रमण हटाने गई राजस्व व पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। इस दौरान एक दरोगा की वर्दी फाड़ने के साथ महिला सिपाही के साथ भी बदसलूकी की गई। जानकरी पर आसपास के थानों की फोर्स मौके पर पहुंची तब जाकर मामला शांत हुआ। पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को नामजद करते हुए कई अज्ञात के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के देवरा कोठी में बुधवार को राजस्व निरीक्षक प्राची केसरवानी, लेखपाल गंगा प्रसाद एवं शंकरगढ़ पुलिस अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंचे। कार्रवाई चल रही थी कि तभी वहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए और नोकझोंक शुरू कर दी। देखते ही देखते भीड़ उग्र हो गई और राजस्व निरीक्षक के साथ ही पुलिसकर्मियों पर रॉड व डंडों से हमला कर दिया। इस दौरान उपनिरीक्षक ऋतुराज सिंह की वर्दी फाड़ डाली गई, साथ ही एक महिला कांस्टेबल के साथ भी बदसलूकी की गई।

आधा दर्जन नामजद सहित दर्जनों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज :

जानकारी पर आसपास के थानों की फोर्स लेकर अफसर मौके पर पहुंचे और तब जाकर मामला शांत कराया जा सका। राजस्व निरीक्षक ने बताया की देवरा कोठी निवासी देवेंद्र प्रताप सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि उनकी बाउंड्रीवॉल को तोड़कर रामकरण यादव व अन्य लोगों ने कब्जा कर रखा है। इसकी कई बार नाप व पैमाइश भी की गई थी। अधिकारियों के निर्देश पर ही टीम अतिक्रमण हटाने गई थी। टीम वहां पहुंची तो रामकरण यादव व उनके परिजनों ने हमला कर दिया। राजस्व निरीक्षक ने गंभीर धाराओं पर रामकरण यादव पुत्र छोटेलाल, रूप सिंह पुत्र श्याम करण, विवेक यादव पुत्र रामकरण, विकास यादव पुत्र रामकरण, चंचला देवी पत्नी रामकरण, सुधा यादव व दर्जनों अज्ञात के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कराया है। उधर शंकरगढ़ थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह का कहना है कि हमलावरों की तलाश की जा रही है।

प्रयागराज में हंगामे के बीच 2022-23 का बजट पास

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जलकल विभाग का करीब दो अरब का मूल आय व्यय बजट नगर निगम सदन हाल में चर्चा के बाद सदन के पटल पर सर्वसम्मति से पास हो गया। इतनी धनराशि में सीमा विस्तार सहित शहरवासियों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होगी। इसके अलावा इस बजट में कुओ की सफाई, सीवर की सफाई सहित अन्य मदों के लिए खर्च शामिल है।

कार्यकारिणी उपाध्यक्ष ने पेश किया बजट : सदन के पटल पर कार्यकारिणी उपाध्यक्ष एवं पार्षद अखिलेश सिंह ने बजट पेश किया। जिसके बाद जलकल के प्रभारी लेखाधिकारी सुजीत कुमार ने सदन के पटल पर बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने संचालन व्यवस्था एवं असंचालन व्यवस्था के तहत होने वाली आय एवं व्यय का पूरा ब्यौरा सदन की पटल पर रखा। इस बीच एक-एक मदों को लेकर सदन हाल में मौजूद पार्षद सवाल भी दागते रहे। जिसका जवाब महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी, नगर आयुक्त रविरंजन एवं जीएम जलकल देते रहे।

नगर आयुक्त की अनुपस्थिति में आधे घंटे स्थगित रही सदन : जलकल के मूल आय व्यय बजट वर्ष 2022-23 के लिए मंगलवार को दोपहर 12 बजे सदन की विशेष बैठक बुलायी गयी थी। 12 बजे तक लगभग कोरम पूरा हो गया था, लेकिन सदन शुरू नहीं हुई। इस सवाल पर महापौर ने स्थिति साफ करते हुए बताया कि हाईकोर्ट के एक जज ने नगर आयुक्त को बुलाया लिया है, इसलिए सदन की कार्रवाई 20 मिनट के लिए स्थगित की गयी है। हालांकि नगर आयुक्त करीब साढ़े 12 बजे सदन पहुंचे और फिर सदन शुरू हो सकी।

स्लैब रेट को लेकर बहस : अलोपीबाग पार्षद कमलेश सिंह ने स्लैब रेट को लेकर सवाल पूछा कि जो जलकर की वसूली हो रही है वह नये स्लैब रेट के अनुसार हो रही है कि या नहीं। पिछली सदन में शासन को नया स्लैब निर्धारण के लिए लिखा गया था, उसका जबाव आया कि नहीं। अगर आया तो उसे सदन में क्यों नहीं लाया गया। इसके अलावा उन्होंने एक्ट के तहत जलकर निर्धारण की बात कही वह बहस का मुद्दा बन गया। महापौर ने बताया कि सदन का काम शासन को भेजना था, भेज दिया। अब शासन उस पर क्या गजट भेजता है यह आने के बाद ही सदन के सामने रखा जायेगा। उन्होंने एक्ट के अनुसार जलकर निर्धारण की बात कही। इस सवाल पर पार्षद अशोक सिंह ने नये स्लैब रेट निर्धारण पर आपत्ति जतायी।

आवश्यकता है -

प्रतिभा उच्च शिक्षा संस्थान

653 फिरोजपुर उर्फ शेखपुर, फूलपुर टाउन, प्रयागराज। पिन नंबर-212402

स्नातक विज्ञान संकाय प्रवक्ता विषय हेतु-

विषय- भौतिक विज्ञान - 01 पद, रसायन विज्ञान - 01पद, वनस्पति विज्ञान - 01पद, जंतु विज्ञान - 01पद, गणित - 01 पद

योग्यता- सम्बंधित विषय में एम0एस0सी0, नेट, पीएचडी, यूजीसी उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित अर्हता के अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आवेदन पत्र प्रेषित करें।

स्नातक कला संकाय प्रवक्ता विषय हेतु-

विषय- राजनीति विज्ञान - 01 पद

योग्यता- नेट, पीएचडी, यूजीसी उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित अर्हता के अभ्यर्थी उक्त पद हेतु आवेदन प्रेषित करें।

वेतनमान- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेश के क्रम वेतन देय होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 1 सप्ताह के अंदर महाविद्यालय के उक्त पते पर आवेदन प्रेषित करें ।

Email id - arvindtripathi271@gmail.com

सिद्धार्थ त्रिपाठी

प्रबंधक

मो0- 8707046593, 9452145821

कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी, कौशांबी

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत जनपद में प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु संचालित निरूशुल्क कोचिंग सत्र 2022 में नवीन अभ्यर्थियों के चयन हेतु निम्नवत समय सारणी के अनुसार ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा संचालित होनी है।

क्र.सं.	विरण	दिनांक व समय
1	ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि	01.05.2022 से 15.05.2022 तक।
2	प्रवेश परीक्षा की तिथि एवं समय	
क	जे0ई0ई0 (इंजीनियरिंग)	18.05.2022 2.00 PM 3.30 PM तक।
ख	नीट (मेडिकल)	19.05.2022 2.00 PM 3.30 PM तक।
ग	एन0डी0ए0/सी0डी0एस0	20.05.2022 2.00 PM 3.30 PM तक।
घ	सिविल सेवा/राज्य सिविल सेवा (प्रा0)परीक्षा	21.05.2022 2.00 PM 3.30 PM तक।
3	प्रवेश परीक्षा का परिणाम	25.05.2022 (अनुमानित)
4	कोचिंग सत्र संचालन	10.06.2022 (अनमुमानित)

जनपद कौशांबी के छात्र छात्राओं को आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना अंतर्गत निशुल्क कोचिंग हेतु ऑनलाइन पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 15.05.2022 निर्धारित है । इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट **www.abhyday.up.gov.in** पर लॉग इन कर जानकारी/ आवेदन कर सकते हैं।

(सुधीर कुमार)

जिला समाज कल्याण अधिकारी/ सदस्य सचिव कौशांबी

कार्यालय ग्राम पंचायत जाफरपुर उर्फ बाबूगंज वि0खं0 फूलपुर, प्रयागराज

निविदा सूचना

ग्राम पंचायत जाफरपुर उर्फ बाबूगंज में खेल मैदान के निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत फर्म/ठेकेदार से मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/15 वा वित्त आयोग योजना अंतर्गत बिल ऑफ क्वांटिटी के अनुसार सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है । इच्छुक फर्म ठेकेदार दिनांक 12 - 05 - 2022 से 18 - 05 - 2022 तक ग्राम पंचायत के सचिवालय में शाम 4:00 बजे तक निविदा/आवेदन जमा कर सकते हैं । दिनांक 19 - 05 - 2022 को दोपहर 11:00 बजे निविदा हेतु गठित निर्माण कार्य समिति के सदस्यों व निविदादाताओं के समक्ष खोली जाएगी ।

क्र.	कार्य का विवरण	प्राक्लन	माप	अनुमानित अवधि
1.	जाफरपुर उर्फ बाबूगंज में खेल मैदान का निर्माण	2454394.00 रुपये	-	दो माह

नियम व शर्तें :- (1) उपरोक्त कार्य हेतु निविदा पंजीकृत ठेकेदारी के वैद्य प्रमाण पत्र के साथ मान्य होगी।(2) निविदा के साथ पैन कार्ड की छाया प्रति व जीएसटी से संबंधित प्रपत्र अनिवार्य होगा। (3) बिल ऑफ क्वांटिटी निविदा फर्म के साथ उपलब्ध कराई जाएगी । (4) टेंडर /निविदा से संबंधित अन्य जानकारियां किसी भी कार्य दिवस के अंदर अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। (5) निविदा को स्वीकृत/ स्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा । (6) ग्राम प्रधान /रोजगार सेवक तकनीकी सहायक व उनके सगे संबंधित का फर्म पूर्णताःअमान्य होगा।

शीला देवी
(ग्राम प्रधान)
ग्रा0 पं0 जाफरपुर उर्फ बाबूगंज
वि0 खं0 फूलपुर, प्रयागराज

धीरेंद्र कुशवाहा
(ग्राम पंचायत अधिकारी)
ग्रा0पं0 जाफरपुर उर्फ बाबूगंज
वि0 खं0 फूलपुर, प्रयागराज

पंचायतीराज विभाग उ0प्र0

संख्या-/2255/2018-6/203/2021-22

दिनांक- 09 मई, 2022

-: विज्ञापन

शासनादेश संख्या 580/33-3-2022 580/2022 दिनांक 05.05.2022 के अन्तर्गत पंचायत सहायक/ एकाउण्टेन्ट-कम-डाटा इन्ट्री ऑपरेटर के पद पर चयन हेतु निम्नांकित योग्यता व विवरण के अनुसार आवेदन पत्र योग्य अभ्यार्थियों से आमंत्रित किये जाते है:-

- **कुल रिक्त पदो की संख्या ग्राम पंचायतवार में दिया गया है। जिसका विवरण निम्न लिखित है।**

ग्राम पंचायत का नाम –	रिक्त पदों की संख्या
1 कुरगांव	01
2 मटियारा	01
3 मिर्जापुर उर्फ बरईशिव	01

- **ग्राम पंचायत वार व वर्गवार अवशेष पदो का विवरण एवं आवेदन पत्र का प्रारूप पंचयतीराज विभाग की वेवसाइड www.panchaytirajup.nic.in पर उपलब्ध है।**
- **आवेदन तिथि-18 मई 2022 से 03 जून 2022 तक**

पंचायत सहायक/ एकाउन्टेंट कम डाटा इन्ट्री आपरेटर के चयन की समय - सारिणी

क्र0	भर्ती प्रक्रिया	निर्धारित समय
1.	ग्राम पंचायतों द्वारा आवेदन पत्र आमंत्रित करने की सूचना, ग्राम पंचायत के सूचना पट्ट एवं मुनादी द्वारा कराये जाने की अवधि	15 मई, 2022 से 17 मई, 2022 तक
2.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय में आवेदन पत्र जमा करने की अवधि	18 मई, 2022 से 03 जून, 2022 तक
3.	जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय व विकास खण्ड कार्यालय में प्राप्त आवेदन पत्रों को सम्बन्धित ग्राम पंचायत को उपलब्ध कराने की अवधि	04 जून, 2022 से 09 जून, 2022 तक
4.	ग्राम पंचायत में प्राप्त आवेदन पत्रों की श्रेष्ठता सूची (मेरिट लिस्ट) तैयार करना एवं ग्राम पंचयत की प्रशानिक समिति के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना एवं समिति द्वारा अनुमोदित श्रेष्ठता सूची को जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ समिति के सदस्य सचिव (जिला पंचायत राज अधिकारी) को उपलब्ध कराये जाने की अवधि	10 जून, 2022 से 17 जून, 2022
5.	जिलाधिकारी की अध्यक्षतामें गठित समिति द्वारा परीक्षण संस्तुति	18 जून, 2022 से 25 जून, 2022 तक
6.	ग्राम पंचायत द्वारा नियुक्ति पत्र निर्गत कराये जाने की अवधि	26 जून, 2022 से 28 जून, 2022 तक

आवेदन की प्रक्रिया-निर्धारित आवेदन के प्रारूप पर समस्त सूचनाएं अंकित कर व्यक्तिगत रूप से अथव रजिस्टर्ड डाक निर्धारित समयवधि में उपलब्ध कराया जाएगा। समस्त चयन प्रक्रिया शासनदेश संख्या- 42/ 2021/1235/33-3-2021-989 दिनांक 25.07.2021 में दिये गये प्रातिष्ठनों के अनुरूप संचालित होगी।

निदेशक

पंचायतीराज उ.प्र.

महिला आयोग की सदस्या ने सुनी महिला उत्पीड़न की समस्याएं

कल्याणकारी योजनाओं सम्बन्धी जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

अखंड भारत संदेश

महिला उत्पीड़न की समस्या को ध्यान से पढ़तीं महिला आयोग की सदस्या।

प्रतापगढ़। लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस प्रतापगढ़ में राज्य महिला आयोग सदस्या सुमन सिंह द्वारा महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित शिकायतों को सुना एवं अधिकारियों को त्वरित गति शिकायतों के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। महिला जनसुनवाई के दौरान कुल 05 शिकायते प्राप्त हुई।

महिला आयोग की सदस्या के सामने शिकायकर्ता गीता पत्नी नन्दलाल हरिजन निवासी ग्राम देवरखा थाना आसपुर देवसरा ने शिकायत किया कि ग्राम सोनपुर के बाला यादव सुत रामचरन यादव व अज्ञात लोगों द्वारा प्रार्थिनी की लड़कियों से छेड़-छाड़ करने व मारपीट के सम्बन्ध में शिकायत की, प्रार्थिनी ने बताया कि घटना के सम्बन्ध में थाना प्रभारी आसपुर देवसरा को प्रार्थना पत्र दिया और कई बार मुलाकात किया जिसके बाद भी प्रार्थिनी की रिपोर्ट दर्ज नही की गयी। इस प्रकरण पर सदस्या ने थानाध्यक्ष आसपुर देवसरा को निर्देशित किया कि उचित कार्यवाही कर प्रार्थिनी को न्याय दिलाया जाये। इसी प्रकार मंजू सिंह पत्नी दान बहादुर सिंह निवासी एटीएल कालोनी कटरा मेंदनीगंज ने शिकायत किया कि पड़ोस के चांद मो0 की पत्नी जहरूल निशा प्रार्थिनी के परिवार वालों को आये दिन फर्जी दरखास्त देने और परिवार वालों को गाली गलौज देने के सम्बन्ध में शिकायत की जिस पर महिला आयोग की सदस्या ने थाना कोतवाली नगर एवं उपजिलाधिकारी सदर को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। इसी प्रकार शिकायतकर्ता सरिता गुप्ता थाना कोतवाली नगर, संगीता गुप्ता निवासी अष्ट भुजा नगर मोड़ सिविल लाइन थाना कोतवाली नगर एवं अमरावती पुत्री राजाराम निवासी नागमलपुर थाना अन्तू ने अपनी-अपनी शिकायतें राज्य महिला आयोग की सदस्या के समक्ष प्रस्तुत की। इस दौरान उन्होने कहा कि वर्तमान सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई महिला अगर शिकायत लेकर थाने में जाती है तो पूरी गम्भीरता के साथ महिलाओं की शिकायतों को सुनते हुये आवश्यक कार्यवाही करते हुये शिकायकर्ता को संतुष्ट किया जाये। पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने में किसी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाये। पीड़ित महिलाओं की शिकायतों का निस्तारण त्वरित गति से प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों को तत्काल निस्तारित करने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को शिकायती प्रार्थना पत्र भेजा गया। इस अवसर पर अपर उप जिलाधिकारी द्वितीय राम नारायण यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी रन बहादुर वर्मा, सरंक्षण अधिकारी अभय शुक्ला सहित प्रभात पाण्डेय व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे। विकास खण्ड सण्ड़वा चन्द्रिका के बी0आर0सी0 केन्द्र में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में राज्य महिला आयोग की सदस्या सुमन सिंह की अध्यक्षता में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला आयोग की सदस्या ने उपस्थित महिलाओं को मिशन शक्ति फेज-4 के अन्तर्गत महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनायें यथा पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना, वृद्धा पेंशन, आयुष्मान कार्ड बनवाये जाने तथा कन्या सुमंगला योजना से आच्छादित बालिकाओं को लाभ दिलाये जाने, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के सम्बन्ध में जानकारी दी। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में भी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी ने उपस्थित महिलाओं को वैवाहिक विवादों के समाधान हेतु 14 मई 2022 को आयोजित होने वाली प्री-लिटिगेशन विशेष लोक अदालत सहित अन्य विधिक जानकारी दी गयी। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी रन बहादुर वर्मा, संरक्षण अधिकारी अभय कुमार शुक्ला, महिला कल्याण अधिकारी जया यादव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

गैरहाजिर मिले तहसीलदार, एसडीएम ने तलब किया स्पष्टीकरण

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। तहसीलदार की लेटलतीफी को लेकर बुधवार को एसडीएम का पारा चढ़ गया। एसडीएम ने तहसीलदार से स्पष्टीकरण तलब करते हुए उनकी गैरहाजिरी पर नाराजगी भी जतायी है। एसडीएम अरूण कुमार सिंह सुबह चेंबर में जन शिकायतों की सुनवाई कर रहे थे। इस बीच सवा दस बजे तक तहसीलदार जावेद अंसारी के तहसील मुख्यालय न पहुंचने की उन्हें जानकारी हुई।

एसडीएम ने तहसीलदार के सीयूजी पर संपर्क करना चाहा तो वह स्विच ऑफ मिला। तहसीलदार के व्यक्तिगत नंबर पर एसडीएम ने बात की तो तहसीलदार का जबाब सुनकर वह भड़क उठे। एसडीएम ने तहसीलदार से गैरहाजिरी का स्पष्टीकरण तलब करते हुए डीएम को भी रिर्पोट भेजी है। इधर तहसीलदार के कामकाज को लेकर वकीलों ने भी एसडीएम से मिलकर नाराजगी जतायी। वकीलों का कहना है कि तहसीलदार कार्यदिवस में भी तहसील परिसर में उपलब्ध नही हुआ करते हैं। इस बाबत तहसीलदार से बात करने का प्रयास किया गया किंतु संपर्क नही हो सका। सूत्रों के मुताबिक मंगलवार को भी तहसीलदार से अधिवक्ताओं की नोंकझोंक हुई थी। हालांकि डीएम ने यहां तहसीलदार न्यायिक पद पर भी सुप्रिया चतुर्वेदी को तैनात किया है। इसके बावजूद प्रशासनिक कार्यो को लेकर तहसीलदार के कामकाज से वकीलों मे नाराजगी देखी जा रही है। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व महांत्री शेष नाथ तिवारी का कहना है कि तहसीलदार के कामकाज के ढुलमुल रवैये को लेकर तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी से शिकायत की जाएगी।

विकास कार्यो में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी: गोपाल

कालाकांकर ब्लाक सभागार कक्ष में क्षेत्र पंचायत की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

क्षेत्र पंचायत की बैठक में बोलते विधायक विनोद सरोज।

परियावां, प्रतापगढ़। ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर के सभागार कक्ष में बुधवार को नव निर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्यों की बैठक प्रतापगढ़ एमएलसी कुँवर अक्षय प्रताप सिंह गोपाल व खण्ड विकास अधिकारी अपर्णा सैनी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य व जिला पंचायत सदस्यों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए गोपाल जी ने कहा कि विकास कार्यो में धन की कोई कमी नही आने दी जाएगी। हम और राजा भैया गाव में विकास की कोई कमी नही होने देंगे। बीडीओ अपर्णा सैनी ने क्षेत्र पंचायत की पिछली कार्रवाई को बताया और कहा कि गाव का निरंतर विकास होता रहेगा गाव में विकास कार्यो में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाय विकास के दौरान कोई ऐसा कार्य न करे जिससे गाव की जनता का नुकसान हो। मंच पर मौजूद बाबागंज विधायक विनोद सरोज ने सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों को गांव में विकास कार्य कराने के किये जोर देते हुए कहा कि गांव के विकास के साथ गांव को स्वच्छ व साफ सुथरा पर भी विशेष ध्यान दें। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष कुलदीप पटेल ने सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों को आश्वासन दिया कि जिला पंचायत से जो भी कार्य गांव के विकास के लिये मिलेगा, उसे आप सभी तक पहुचायेंगे। इस मौके पर एडीओ पंचायत संतोष कुमार शुक्ला, ग्राम विकास अधिकारी व्यास कुमार मौर्य, अजीत पटेल, संदीप कुमार, संतोष कुमार, नागेंद्र कुमार, निर्भय प्रताप सिंह, लक्ष्मी नारायन त्रिपाठी, अश्वनी सिंह, यशस्वी द्विवेदी, नन्दलाल, पंकज शुक्ला सहित ग्राम प्रधान विकास सोनकर, सुरेश यादव, प्रकाश चन्द्र त्रिपाठी, अनिल कुमार मौर्य, संजय त्रिपाठी (जनसत्तादल ब्लाक अध्यक्ष एवं प्रधान) बीडीसी सदस्य डॉ सतपाल वर्मा, संतोष कुमार मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।

दुर्घटना में अधिवक्ता चुटहिल

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। अज्ञात वाहन की टक्कर से दुर्घटना में अधिवक्ता चुटहिल हो गये। लालगंज नगर निवासी संयुक्त अधिवक्ता संघ के महामंत्री शेष तिवारी बुधवार की सुबह पैदल घर से निकले थे। सीएचसी के सामने अचानक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया। दुर्घटना में चुटहिल अधिवक्ता को स्थानीय लोग ट्रामा सेंटर इलाज के लिए ले गये। यहां चिकित्सकों ने प्रारंभिक उपचार के बाद चिकित्सीय परामर्श के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इधर साथी के दुर्घटना में घायल होने की जानकारी मिलते ही ट्रामा सेंटर में अधिवक्ताओं की भी भीड़ जुट गयी।

डीएलएड परीक्षा का डायट प्राचार्य ने किया निरीक्षण

आठ परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुई परीक्षा

अखंड भारत संदेश

डीएलएड परीक्षा का निरीक्षण करते डायट प्राचार्य मो0 इब्राहीम।

प्रतापगढ़। डीएलएड प्रशिक्षण सत्र 2021 प्रथम सेमेस्टर एवं बीटीसी प्रशिक्षण 2013 14 15 एवं डीएलएड प्रशिक्षण 2017-18 अवशेष एवं अनुत्तीर्ण प्रथम सेमेस्टर परीक्षा 2022 की परीक्षा जनपद प्रतापगढ़ के 8 परीक्षा केंद्रों पर तीन दिवसीय 9 मई से 11 मई 2022 तक चलने वाली परीक्षा आज 11 मई को संपन्न हुई।

प्रथम पाली का औचक निरीक्षण मोहम्मद इब्राहिम उप शिक्षा निदेशक एवं प्राचार्य डाइट प्रतापगढ़ द्वारा सभी केंद्रों का एवं अबुल कलाम इंटर कॉलेज प्रतापगढ़ किया गया और परीक्षा संबंधी समस्त गतिविधियों को बारीकी से देखा गया और शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को सुचिता पूर्ण एवं पारदर्शिता पूर्ण ढंग से एवं नकल विहीन संपन्न कराने का निर्देश भी दिया गया। इसके साथ उन्होंने सीसीटीवी कैमरे और कंट्रोल रूम से सभी कक्षा का निरीक्षण किया और पहले की रिकॉर्डिंग भी देखें इस अवसर पर प्रधानाचार्य एवं केंद्र व्यवस्थापक आजाद अहमद, पर्यवेक्षक के रुप में नामित डायट प्रतापगढ़ से गर्विता ओझा प्रवक्ता माध्यमिक शिक्षा से डॉ मोहम्मद अनीस रहे। जिला प्रशासन से स्टैटिक मजिस्ट्रेट के रूप में रामप्रकाश सिंह जिला दिव्यांग कल्याण सशक्तिकरण अधिकारी रहे। परीक्षा प्रभारी के रूप में मोहम्मद फहीम एवं मोहम्मद खालिद आदि रहे।

बीईओ के औचक निरीक्षण से हड़कंप

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। खण्ड शिक्षा अधिकारी के औचक निरीक्षण को लेकर बुधवार को प्राथमिक विद्यालयों मे हडकंप का माहौल दिखा। बीईओ रिजवान अहमद ने स्थानीय विकासखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति व पठन पाठन के माहौल का जायजा लिया। वहीं बीईओ ने प्राथमिक विद्यालयों मे नामांकन अभियान मे भी तेजी लाये जाने के निर्देश दिये। प्राथमिक विद्यालय खजुरी व सराय जानमती तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भी बीईओ ने औचक निरीक्षण किया। उन्होनें शिक्षकों से विद्यालयों मे छात्र छात्राओं के नामांकन को लेकर प्रभावी भूमिका के निर्वहन पर जोर दिया। बीईओ के औचक निरीक्षण की जानकारी होते ही ब्लाक भर में संचालित प्राथमिक विद्यालयों मे दोपहर तक हडकंप का माहौल दिखा।

पारिवारिक मुकदमों का अधिक से अधिक कराएं निस्तारण: प्रधान न्यायाधीश

अखंड भारत संदेश

लोक अदालत सम्बन्धी बैठक में मौजूद प्रधान न्यायाधीश।

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शों के अनुपालन में कुटुम्ब न्यायालय प्रधान न्यायाधीश सुरेश चन्द्र आर्या के द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मई 2022 के सम्बन्ध में प्री0 ट्रायल बैठक की गयी।

बैठक में प्रधान न्यायाधीश ने आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक वादों से सम्बन्धित मामलों को पक्षकारों की सहमति व सुलह समझौते के आधार पर अधिक से अधिक पारिवारिक मुकदमों का निपटारा कराने में सहयोग की बात कही। उन्होंने कहा कि इसमें पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिल जाता है और उनको बेवजह कचहरी के चक्कर नहीं काटने पड़ते, इसमें धन और समय की बचत होती है। बैठक का संयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। बैठक में पारिवारिक वादों से सम्बन्धित विद्वान अधिवक्तागण, मध्यस्थगण एवं परामर्शदाता भी उपस्थित रहे।

हत्या के मामले में अभियुक्तों की गिरफ्तारी न होने पर लगाई एसपी से गुहार

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील के आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के नौरंगाबाद एक पखवारे पहले हुई हत्या के मामले में अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी न होने से परिजनों ने आक्रोश जताते हुए प्रतापगढ़ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है।

पट्टी तहसील क्षेत्र के आसपुर देवसरा थाना अंतर्गत नौरंगाबाद गांव में बीते 26 अप्रैल को सुनील कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद गांव में सनसनी फैल गई। मामले में सूचना पर पहुंची पुलिस ने डाग स्क्वायड की सहायता से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया हालांकि एफआईआर में अज्ञात के खिलाफ से मामला दर्ज हुआ। पुलिस ने मामले का खुलासा किया, जिसमें आरोपी युवक अपने बहन के साथ युवक के प्रेम प्रसंग के कारण परेशान था। जिस रात यह घटना हुई लाठी-डंडों से पीटकर सुनील की हत्या कर दी गई। वहीं परिजनों का कहना है कि एक अकेला व्यक्ति सुनील की हत्या नहीं कर सकता इसमें दो या तीन लोग और शामिल है। पुलिस ने एफआईआर में अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है लेकिन मुख्य आरोपी के अलावा और किसी को गिरफ्तार नहीं कर रही है। पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देने पहुंची अमृता सरोजा देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन उसके साथ रहने वाले सभी आरोपियों को अभी तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है, जिसको लेकर के परिजन परेशान है।

गटर में फंसी गाय को ग्रामीणों ने निकाला बाहर

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर के समीप बीबीपुर में ग्रामीणों ने मानवता की मिसाल पेश किया। एक दिन पहले गटर में गिरी हुई गाय को ग्रामीणों ने पुलिसकर्मियों की मदद से उसे बाहर निकाला। बाहर निकालने के बाद मौजूद लोगों ने ग्रामीणों की सराहना करते हुए नजर आए। पट्टी नगर के समीप बीबीपुर में ट्रैक्टर एजेंसी के समीप बने हुए गटर में एक दिन पहले एक गाय टहलते हुए जा गिरी। विवश होकर वह बिना खाए पिए तड़पती हुई नजर आ रही थी। वहां के आसपास के लोगों तथा ग्रामीणों ने जब उसे देखा तो डायल 112 पुलिस को फोन किया तथा उनकी मदद से गाय को बाहर निकाला। गाय के गटर में फंसने की सूचना पर डायल 112 के तैनात पुलिस कर्मी धीरज मौर्या तथा प्रहलाद के साथ ग्रामीण सूरज सिंह, शिवाकांत, निखिल सिंह, जितेंद्र सिंह आदि ने मिलकर मदद किया और गाय को बाहर निकाला। पुलिस कर्मियों को भी लोगों ने धन्यवाद दिया।

भण्डारे मे उमड़े श्रद्धालु, कथा व्यास का हुआ सम्मान

अखंड भारत संदेश

लालगंज प्रतापगढ़। सगरा सुंदरपुर बाजार में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के समापन पर हुये भण्डारे में श्रद्धालुओं की मंगलवार की शाम भीड़ दिखी। श्रद्धालुओं ने पंक्तिबद्ध होकर भण्डारे मे महाप्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान माधव बिहारी के जयकारे भी गूंजते दिखे। आयोजन समिति द्वारा कथाव्यास मधुर जी महराज का सारस्वत सम्मान व अभिषेक किया गया। वहीं भण्डारे मे सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र, रामपुर खास की विधायक आराधना मिश्रा मोना के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल भी शामिल हुये। भण्डारे का संयोजन संयोजक पं. प्रेमशंकर तिवारी लल्लू ने किया। कार्यक्रम के सह संयोजक अजय तिवारी ने महाप्रसाद वितरण का प्रबन्धन किया। भण्डारे में आयोजित आध्यात्मिक सम्मान समारोह का संचालन अधिवक्ता सुरेश मिश्र मदन ने किया। इस मौके पर रत्नाकर तिवारी, रामसूर्ति तिवारी, अधिवक्ता विकास मिश्र, डा. हरिश्चंद्र शुक्ल, सभासद बृजेन्द्र पाण्डेय मंटू, पूर्व प्रमुख संजय तिवारी, अनिल तिवारी, शिवशंकर शुक्ल, श्यामजी जायसवाल, डा. दयाशंकर मिश्र आदि रहे।

शारीरिक दिव्यांग छात्रों हेतु राजकीय अक्षम विद्यालय में प्रवेश प्रारम्भ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने बताया है कि प्रयास राजकीय शारीरिक रूप से अक्षम बालकों का उ0मा0 विद्यालय प्रतापगढ़ (निकट भंगवा चुंगी) में शारीरिक दिव्यांग छात्रों के लिये शिक्षा सत्र 2022-23 में कक्षा 1 से 9 तक प्रवेश प्रारम्भ है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रवेशित दिव्यांग छात्रों को पठन-पाठन, यूनीफार्म, चिकित्सा एवं आवासीय सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती है। इच्छुक शारीरिक दिव्यांग छात्र जिनकी आयु 06 से 18 वर्ष के बीच हो वे प्रवेश कर सकते है। उन्होंने विद्यालय में प्रवेश पात्रता के सम्बन्ध में बताया है कि मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र (अभिभावक का) तहसीलदार/सभासद/प्रधान द्वारा जारी, आधार कार्ड की प्रति, अंक पत्र की प्रति/टी0सी0 तथा चार-पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य है। प्रवेश हेतु मोबाइल नम्बर 9305127300, 8787078953 व 7668362695 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

पति से विवाद के बाद पत्नी ने निगल लिया जहर, गंभीर दशा में मेडिकल कालेज रेफर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। शराबी पति से कहासुनी के बाद पत्नी ने रात में जहर निगल लिया। इसके बाद परिजन परेशान हो गए। आनन-फानन में एंबुलेंस की सहायता से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाबा बेलखरनाथ धाम ले गए। जहां पर उसकी गंभीर दशा को देखते हुए डॉक्टरों ने जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

पट्टी तहसील क्षेत्र के कंधई थाना अंतर्गत सराय नानकार गांव की रहने वाली जया देवी (27) का अपने पति से आए दिन झगड़ा झंझट होता रहता है। उसका पति विवेक शराब पीकर घर आता है तो दोनों में आए दिन कहासुनी हो जाती है। मंगलवार की रात को जब वह घर आया तो पत्नी से पैसों के लेनदेन तथा घर गृहस्थी के बारे में और उसे शराब छुड़वाने की बात को लेकर कहासुनी होने लगी, तभी विवेक की बातों से आहत होकर के जया ने घर में रखे जहरीले पदार्थ को खा लिया। थोड़ी देर तक तो कुछ पता नहीं चला लेकिन उसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और मुंह से झाग निकलने लगा तो परिजन परेशान हो गए और उसे डायल 108 एंबुलेंस की सहायता से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र बाबा बेलखरनाथ धाम ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उसकी गंभीर दशा को देखते हुए उसे प्रतापगढ़ जिले मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया जहां पर विवाहिता की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जमीनी विवाद को लेकर पड़ोसी आरोपियों ने महिला को पीटकर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। आबादी की रंजिश को लेकर पड़ोसी आरोपियों ने एक महिला को जमकर मारा पीटा, जिससे उसे काफी चोटे आई। पीड़ित महिला ने इस सम्बंध में पट्टी कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है। पुलिस शिकायती पत्र लेने के बाद मामले की जांच

पुलिस मामले की जांच में जुटी

में जुटी हुई है।

कोतवाली क्षेत्र के कंजा सराय गुलामी गांव की रहने वाली कैसर जहां पत्नी अख्तर अली बुधवार को रोते बिलखते हुए पट्टी कोतवाली पहुंची। शिकायती पत्र देकर उसने आरोप लगाया कि उसने आबादी की जमीन को गांव के ही एक व्यक्ति को बैनामा कर दिया है। जिस पर उसके पड़ोसी उससे रंजिश रखते हैं। पीड़ित महिला ने बताया कि आए दिन पड़ोसी उसे परेशान करते रहते हैं। बुधवार की दोपहर आबादी की जमीन को लेकर पड़ोसी एक राय होकर उसे लाठी-डंडों से मारने पीटने लगे और दो लोग उसे हाथ मूकों से मारपीट दिये। पीड़ित महिला ने बताया कि आसपास के लोग दौड़े तो महिला की जान बच सकी। तब आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए गाली गलौज करते हुए उनका चले गए। जख्मी हालत में पीड़ित महिला पट्टी कोतवाली पहुंची और आरोपियों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चोरी के सामान सहित आरोपी धराया

लालगंज प्रतापगढ़। दुकान से सामान चोरी कर भागते समय आरोपी को दुकान के संचालक तथा उसके चालक द्वारा धर दबोचा गया। पुलिस ने पीड़ित व्यवसाई की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के कोठार मंगोलेपुर निवासी संतोष कुमार जायसवाल पुत्र रामलाल ने सगरा सुंदरपुर में दुकान खोल रखी है। बुधवार को सुबह छः बजे सगरा सुंदरपुर के गोविन्दपुर निवासी विजय सरोज पुत्र बजरंगी उसकी दुकान से लोहे की एक राड तथा छः एंगल तथा बीस किलो का बाट चोरी कर निकल रहा था। इस बीच व्यवसाई तथा उसके चालक की नजर आरोपी पर पड़ गयी। पीड़ित ने आरोपी को दौड़ाकर दबोच लिया। आरोपी को पीड़ित ने चोरी के सामान समेत कोतवाली के सुपुर्द किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ चोरी का केस दर्ज कर किया है।

खबर संक्षेप

संदिग्ध हालत में घर के अंदर फांसी पर लटका मिला किशोरी का शव

कौशाम्बी। चरवा कोतवाली के कूड़ापुर गांव में मंगलवार दोपहर संदिग्ध हाल में एक किशोरी का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटकता मिला। घटना के वक्त परिवार के लोग घर के बाहर थे। घर लौटे परिजनों को जब घटना की जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए दिया। कूड़ापुर निवासी रामबाबू मजदूर है। उसकी बेटी नंदिनी (15) आठवीं तक की पढ़ाई करने के बाद घर पर ही रहती थी। परिवार के लोगों के अनुसार मंगलवार को रामबाबू मजदूरी करने गया था। दोपहर में घर के अन्य लोग बाहर गए थे। अकेली नंदिनी ही घर में थी। दोपहर बाद जब घर के लोग लौटे तो नंदिनी का शव कमरे में फांसी के फंदे से लटकता हुआ मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नंदिनी की मौत को लेकर परिवार के लोग और पुलिस आत्महत्या की बात कह रहे हैं। नंदिनी ने आत्महत्या क्यों की? इसको लेकर कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है। इंस्पेक्टर संतोष कुमार शर्मा का कहना है की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अगर परिवार के लोग शिकायत करते हैं तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दो नली बंदूक के साथ पकड़ा गया बेटे का कातिल

वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारोपी पिता मौके से हो गया था फरार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चौबीस घंटे के भीतर बेटे के कातिल को पिपरी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मोबाइल को खातिर पिता और पुत्र के रिश्ते को कलंकित करने वाले हत्यारोपी पिता शिवनारायण पटेल को पिपरी पुलिस गिरफ्तार कर लिखा - पढ़ी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया और वहां से न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया है। बेटे की हत्या करने के बाद हत्यारोपी पिता पुलिस से बचने के लिए मौके से फरार हो गया था लेकिन पिपरी पुलिस मुखबिर के द्वारा सूचना पाकर घेराबंदी कर असलहा सहित कई जिंदा कारतूस बरामद कर लिया। फतेहपुर सहावपुर गांव में मंगलवार के दिन मोबाइल को लेकर हुए विवाद में पिता ने पुत्र बृजेश पटेल को गोली मार दी। गोली लगने के बाद पीड़ित को परिजन इलाज के लिए ले जा रहे थे कि रास्ते में ही बृजेश पटेल ने दम तोड़ दिया। आरोपी शिवनारायण पटेल वारदात को अंजाम देने के बाद कानून के चंगुल से बचने के लिए मौके से फरार हो गया था जिसकी तलाश में पिपरी पुलिस कई जगहों पर दबिश दे चुकी थी लेकिन आरोपी पिपरी

गिरफ्तार हत्यारोपी

पुलिस के हाथ नही लगा। दबिश के दौरान मुखबिर के द्वारा सूचना मिली कि आरोपी पिपरी थाना क्षेत्र के कसेंदा गांव के बाहर कब्रिस्तान के पीछे अमरूद की एक बाग में छिपकर बैठा है। पिपरी पुलिस द्वारा योजनाबद्ध तरीके से आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक संयुक्त टीम बनाई जिसमें निरीक्षक श्रवण कुमार, उपनिरीक्षक अशोक कुमार, कांस्टेबल नवीन कुमार, कांस्टेबल राजीव कुमार एवं शौकीन बाबू शामिल रहे और उसी टीम द्वारा घेराबंदी कर हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया और लिखा - पढ़ी कर जेल भेज दिया। हत्यारोपी को जेल भेजने के बाद पिपरी पुलिस ने राहत भरी सांस ली है।

तालाब में उतराता मिला पांचवीं की छात्रा का शव

कौशाम्बी। चरवा कोतवाली के सैयद सरावां गांव में सोमवार शाम पांचवीं की छात्रा का शव तालाब में उतराता मिला। छात्रा सुबह घर से स्कूल जाने को कहकर निकली थी। घटना से पीड़ित परिवार में कोहराम है। परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। सैयद सरावां निवासी रामसिंह मजदूर है। रामसिंह की बेटी छोटकी (8) गांव के ही प्राथमिक विद्यालय के पांचवीं की छात्रा थी। परिवार के लोगों के अनुसार छोटकी सोमवार सुबह घर से स्कूल स्कूल जाने के लिए निकली थी। दोपहर बाद जब वह घर नहीं लौटी तो परिवार के लोगों ने उसकी खोजबीन शुरू की। इसके बाद भी छोटकी का पता नहीं चला। देर शाम को छात्रा का शव गांव के बाहर तालाब में उतराता मिला। इसकी जानकारी पर पहुंचे परिवार के लोग दहाड़ मारकर रो पड़े। परिजनों ने शव को बाहर निकालकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया है।

एसओजी ने कंटेनर में लदे गौवंश और गौतस्करों को अथसराय राष्ट्रीय राजमार्ग पर पकड़ा

फायर कर भाग रहे गौतस्करों को घेरा बंदी कर एसओजी और सैनी कोतवाली पुलिस ने पकड़ा

कौशाम्बी। गौवंश तस्कर कंटेनर में जानवरों को लादकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रयागराज की तरफ से कानपुर की तरफ जा रहे थे ऑपरेशन गौतस्कर मुखबिर की सटीक सूचना से एसओजी टीम पीछा कर रही थी सैनी कोतवाली पुलिस अझुवा चौकी पुलिस भी इस अभियान में हिस्सा थी अटसराय के पास पुलिस के घेराबंदी में गौवंश घिर गए जिससे गौवंशी तस्कर ने पुलिस टीम पर फायर करते हुए भागने का प्रयास किया जिससे डिवाइडर में कंटेनर चढ़ गया फलस्वरूप राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित हो गया चालक और साथ में रहे गौतस्कर भागने लगे चर्चा पर जाएं तो चालक भागने में असफल रहा जिसे पुलिस जवानों ने अपने हिरासत में ले लिया भागने वाले गौतस्करों को पैदल मोटरसाइकिल से पीछा किया जा रहा था वहीं एसओजी टीम एक दूसरे कंटेनर को पकड़ने के प्रयास में जुटी थी सूत्रों के अनुसार दूसरे कंटेनर को एसओजी टीम ने फतेहपुर जिला के अमाव गांव से पकड़ा है दूसरे कंटेनर में बैठा तस्कर नगर पंचायत अझुवा राष्ट्रीय राजमार्ग में बने डिवाइडर के पास कूदकर भागने का प्रयास किया जिसे पीछा कर रही पुलिस टीम ने दौड़ाकर पकड़ लिया है डिवाइडर में चढ़े कंटेनर का नम्बर नागालैंड के थे एसओजी और पुलिस गौतस्करी मामले को लेकर बहुत संजीदा है गौवंशो को क्षेत्रीय पुलिस ने गौसंरक्षण केंद्र भेज दिया है चचाओं पर जाएं तो 37 गौवंशो में 27 गौवंशो की मौत हो चुकी थी।

अफसरों की लापरवाही से नहीं हुआ भूसे का टेंडर

गौ संरक्षण केंद्र में 40 दिन से नहीं पहुंच रहा भूसा कैसे जीवित रहेंगे पशु

कौशाम्बी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना गो संरक्षण केंद्र को अधिकारी पलीता लगाने में लगे हैं जिससे आए दिन पशुओं की मौत हो रही है सारा पानी की कमी के चलते पशु कमजोर हो चुके हैं कमीशन खोरी के चलते भूसे का टेंडर समय से नहीं हो सका है 31 मार्च के पूर्व भूसे का टेंडर किए जाने का निर्देश शासन ने दिया था लेकिन चहेते लोगों को टेंडर दिए जाने की सोच के चलते जिम्मेदार अधिकारी भूसे का टेंडर नहीं कर सके 31 मार्च बीत जाने के बाद अप्रैल के महीने में भी भूसे का टेंडर अधिकारी नहीं कर सके इतना ही नहीं अब मई के महीने में 10 दिन बीत जाने के बाद भूसे का टेंडर नहीं हो सका जिससे जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों में मौजूद गो संरक्षण केंद्र में भूसा नहीं पहुंच रहा है आखिर कब तक सरकारी गौ संरक्षण केंद्र में ग्रामीणों के रहमोंकरम पर पशुओं को भूसा देकर जिंदा रखने का प्रयास किया जाता रहेगा। जिले के एक आला हाकिम ने मीटिंग में तो यहां तक कह दिया था कि प्रधान और सचिव इतने कमजोर नहीं है कि वह पशुओं को भी नही खिला सकते हैं लेकिन पंचायत सचिव और प्रधान ने पशुओं को भूसा खिलाने से हाथ खड़े कर दिए हैं उनका कहना है कि उनके पास इतनी दौलत नहीं है कि सरकार के गोसंरक्षण केंद्र में मौजूद सैकड़ों पशुओं को प्रतिदिन भूसा खिला सके अधिकारियों के लापरवाही उदासीनता या संलिप्तता के चलते 40 दिन अधिक बीत जाने के बाद भी भूसे का टेंडर ना होने से 40 दिन से गौ संरक्षण केंद्र में भूसा पूर्व ठेकेदार द्वारा नहीं पहुंचाया जा रहा है जिससे पशुओं के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी है भूसा ना पहुंचने से तमाम पशु शारीरिक रूप से कमजोर हो चुके हैं और तमाम पशु भूसे के अभाव में दम तोड़ रहे हैं लेकिन उसके बाद भी कमीशन खोर अधिकारियों को भूसे का टेंडर करने की जल्दबाजी नहीं है भूसे के टेंडर करने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के कारनामों को यदि योगी मोदी सरकार ने गंभीरता से लिया तो कई अधिकारियों पर शासन सत्ता का चाबुक चलना तय है।

बेटी के ससुराल विदा होते ही दुनिया से अलविदा कह गया पिता

कौशाम्बी। चरवा कोतवाली के सिकंदरपुर आइमा गांव में बेटी को ससुराल विदा करने के बाद नहाकर तार पर गीले कपड़े डालते वक्त करंट लगने से पिता की मौत हो गई। घटना से शादी वाले घर में कोहराम मच गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिकंदरपुर आइमा गांव निवासी मैनी प्रसाद (52) किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करता था। मैनी की एक बेटी गुड़िया व बेटा कंधई हैं। रविवार को गुड़िया की शादी थी। सोमवार को बरात विदा होने के बाद मैनी प्रसाद हैंडपंप पर नहाने गया। नहाने के बाद वह गीले कपड़े घर के बाहर लगे तार पर डालने लगा तभी करंट की चपेट में आ गया। घटना में मौके पर ही मैनी प्रसाद की मौत हो गई। घटना से परिवार में जहां खुशियां मनाई जा रही थी, वहां कोहराम मच गया। मंगलवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

परीक्षा देने गयी छात्रा का साथियों समेत युवक ने किया अपहरण

आरोपी होमगार्ड के जवान पर अपहरण का मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद ना तो उसका निलंबन हुआ ना उसकी गिरफ्तारी कर सकी पुलिस

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र से 02 मई को प्रयागराज परीक्षा देने गई एक बालिका को प्रयागराज शहर से होमगार्ड के जवान ने अपने साथियों समेत अपहरण कर लिया है प्रयागराज में परीक्षा देकर छात्रा के घर वापस न लौटने पर परिजन परेशान हो गए परिजनों के द्वारा छात्रा को खोजने में पता चला कि परीक्षा केंद्र के बाहर से छात्रा को एक युवक साथियों समेत अपहरण करके ले गया है जिस पर छात्रा के परिजनों ने प्रयागराज पुलिस से शिकायत की परिजनों की शिकायत पर प्रयागराज पुलिस ने 7 मई को मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन घटना को 9 दिन बीत जाने के बाद भी बालिका की सुराग रस्सी नहीं लग सकी है परिजनों ने बालिका की हत्या किए जाने की आशंका जाहिर की है। घटनाक्रम के मुताबिक राधा कृष्ण निवासी ऊनो कोतवाली मंझनपुर ने कीटगंज प्रयागराज पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 02 मई को महिला सेवा सदन बैराहना प्रयागराज बीटीसी की परीक्षा देने उनकी बेटी प्रभा गयी थी लेकिन बीटीसी की परीक्षा देने के बाद उनकी बेटी प्रभा वापस गांव नही लौटी परिजनों ने पुलिस को बताया कि ललित पुत्र लवकुश और गिरीश पुत्र बहादुर ऊनो कोतवाली मंझनपुर की साजिश से रामचन्द्र पुत्र राजीव निवासी ऊनो ने परीक्षा देने के बाद वापस लौट रही छात्रा प्रभा का अपने साथियों समेत अपहरण कर लिया है अपहरण किए जाने के बाद छात्रा की हत्या की आशंका परिजनों ने जताई है परिजनों की शिकायत के बाद 07 मई को कीटगंज पुलिस ने अपहरण समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन घटना को 9 दिन बीत जाने के बाद भी गायब छात्रा का सुरागरसी पुलिस नहीं लगा सकी है बताया जाता है कि बालिका का अपहरण कर गायब करने वाले लोगों में पुलिस विभाग का एक होमगार्ड का जवान भी शामिल है अपहरण की साजिश रचने वाला होमगार्ड का जवान कौशांबी में बराबर विभाग में ड्यूटी कर रहा है जिसे प्रयागराज की पुलिस नहीं खोज पाई है अपहरण का मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद भी साजिशकर्ता होमगार्ड के जवान को होमगार्ड विभाग के अधिकारियों ने निलंबित नहीं किया है ड्यूटी कर रहे होमगार्ड के जवान को यदि प्रयागराज पुलिस ने गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की तो जल्द सुराग लग सकता है।

न्यूज झरोखा

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ को लगी गोली

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के रामपुर बसोहरा गांव निवासी अमानत उल्ला को आधी रात को गोली लग गई है उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है उनकी पत्नी शहनाज बेगम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह परिवार सहित झोपड़ी में सो रहे थे और जिससे उनका जमीनी विवाद चल रहा है उसने उनके झोपड़ी में आधी रात को घुसकर गाली गलौज मारपीट करने के बाद अमानत उल्ला को गोली मार दी है और झोपड़ी में लूटपाट करने के बाद आरोपी फरार हो गए हैं मामले की सूचना पर पुलिस जांच कर रही है।

नैनो यूरिया की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर की गई गोष्ठी

कौशाम्बी। विकास खण्ड चायल के सभागार में नैनो यूरिया की आवश्यकता, उपयोगिता एवं होने वाले प्रभाव विषयक गोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें केवीके वरिष्ठ वैज्ञानिक मनोज कुमार एवं इफको प्रतिनिधि वाईपी सिंह द्वारा जानकारी दी गयी गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे क्षेत्र प्रमुख चायल एवं खण्ड विकास अधिकारी चायल द्वारा भी अपना विचार नैनो यूरिया पर व्यक्त किया गया तथा उपस्थित सभी कृषकों से अपेक्षा की गई कि वे नैनो यूरिया का व्यापक प्रयोग करें तथा इससे होने वाले लाभ-कम लागत में अधिक उत्पादन होने की संभावना तथा कृषकों की आय दुगना करने में सहायक होगी, से लाभान्वित हो एवं इसका व्यापक प्रचार-प्रसार अपने आसपास के किसान बंधुओं में भी करें। नैनो यूरिया पर्यावरण सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है। रासायनिक युग में अंधाधुन रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग हमारे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए घातक है, उससे बचने के लिए नैनो यूरिया का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। गोष्ठी में प्रगतिशील किसान एवं ग्राम प्रधानों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एक दिवसीय रोजगार मेला 19 मई को

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय आईटीआई सिराथू व मंझनपुर एवं कौषल विकास मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 19 मई 2022 को राजकीय आईटीआई पुलिस लाइन के सामने के परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जायेंगा। यह जानकारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने देते हुए बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर चयन की कार्यवाही की जायेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट पर पंजीयन करते हुए इच्छित कम्पनी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकतें हैं।

स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का किया गया उद्घाटन

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कड़ाधाम के वार्षिक निरीक्षण के दौरान गार्द की सलामी ली गयी । तत्पश्चात थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस, मालखाना, बन्दी गृह व आवास परिसर को चेक किया गया तथा अपराध महिला अपराध मिशन शक्ति के कार्यों की समीक्षा की गयी। थाना परिसर का भ्रमण कर परिसर में वृक्षारोपड़ किया गया व आगन्तुकों हेतु तैयार किये गये स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था का उद्घाटन किया गया। सम्बन्धित को परिसर की साफ-सफाई व दस्तावेजों के रख-रखाव हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए साथ ही थाना कड़ाधाम में कार्यरत महिला आरक्षी का जन्मदिन मनाया गया एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गयी व थाना कड़ाधाम के नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया गया तथा निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।

पीएम किसान सम्मान निधि के लाभार्थी कराएं ई-केवाईसी

कौशाम्बी। उप कृषि निदेशक उदयभान सिंह गौतम ने किसान भाइयों को सूचित किया है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के भुगतान की धनराशि पीएम किसान के पोर्टल पर फीड बैंक खाते के स्थान पर न होकर आधार कार्ड की फीडिंग के आधार पर होगा। उन्होंने समस्त पात्र किसान लाभार्थियों से अनुरोध है कि माह अप्रैल 2022 से जुलाई 2022 की आने वाली 11वीं किस्त प्राप्त करने हेतु सबसे पहले अपने नजदीकी आधार संशोधन केन्द्रो में जाकर अपने आधार को मोबाइल नंबर से जुड़वायें। इसके पश्चात सहज जन सेवा केन्द्र सीएससी सेन्टर में जाकर पीएम किसान योजनान्तर्गत ई-केवाईसी करायें जिन लाभार्थी कृषकों द्वारा ई-केवाईसी नहीं कराया जायेंगा उनको प्राप्त होने वाली 11वीं किश्त व अन्य आने वाली समस्त किश्तें भारत सरकार द्वारा रोक दिया जायेगा, जिसका उत्तरदायित्व लाभार्थी का स्वयं होगा। उन्होंने बताया कि अभी तक जनपद के पात्र लाभार्थी 211876 में से 100086 लाभार्थी द्वारा ई-केवाईसी कराया जा चुका है, जबकी 111790 कृषकों द्वारा ई-केवाईसी नहीं कराया गया है। कृषक भाई तत्काल ई-केवाईसी करवायें।

दुर्गा शक्तियों के बलिदान व उनके शौर्य पर कार्यक्रम आयोजित

अखंड भारत संदेश

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई व झांसी का दुर्गा दल, बेगम हजरत महल, ऊदा देवी अजीजन बाई, आशा देवी , भगवती देवी, मन कौर, इंद्र कौर, शोभना देवी एवं अन्यान्य दुर्गा शक्तियों के बलिदान व उनके शौर्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता

भरवारी कौशाम्बी। भवन्स मेहता महाविद्यालय भरवारी में मिशन शक्ति के तहत महिलाओं बालिकाओं छात्राओं के जन जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया वीरांगना महिलाओं की भूमिका पर वक्ताओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम में भारी संख्या में लोग मौजूद रहे

महिला सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में 10 मई को विद्यालय की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती पूजन से प्रारम्भ की गई उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदत्त कार्य योजना के अन्तर्गत ₹1857 के महान विद्रोह में महिलाओं की भूमिका₹ विषय पर इतिहास विभाग के प्रवक्ता डॉ मोहम्मद आदिल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई व झांसी का दुर्गा दल, बेगम हजरत महल, ऊदा देवी अजीजन बाई, आशा देवी , भगवती देवी, मन कौर, इंद्र कौर, शोभना देवी एवं अन्यान्य दुर्गा शक्तियों के बलिदान व उनके शौर्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता वीरांगनाओं के जीवन पर चर्चा करते हुए वक्ताओं ने भारत देश के महान इतिहास का वर्णन किया। मिशन शक्ति के कार्यक्रम की अध्यक्षता भवन्स मेहता महाविद्यालय भरवारी के प्राचार्य डॉ

भवन्स मेहता में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक व अन्य

प्रबोध कुमार श्रीवास्तव ने की । कार्यक्रम का संचालन व कार्यान्वयन मिशन शक्ति समन्वयक डॉ नीति मिश्रा ने किया। इस अवसर पर मिशन शक्ति समिति के सदस्य डॉ सी.पी. श्रीवास्तव, डॉ श्रद्धा तिवारी, डॉ लक्ष्मीकान्त मिश्र, वरिष्ठ शिक्षिका डॉ रूबी चौधरी, डॉ सुमन शुक्ला एवं कैप्टन अरुण कुमार सिंह डॉ पंकज श्रीवास्तव, डॉ राहुल राय एवं छात्र,छात्राएं उपस्थित रही राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।कार्यक्रम का मीडिया प्रभार डॉ लक्ष्मीकान्त मिश्र व डॉ सीपी श्रीवास्तव ने किया।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के सिरियावां कला चौराहा के समीप टैक्टर और दो पहिया वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई है सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक कोखराज थाना क्षेत्र के बिदन पुर निवासी नत्थू पुत्र पंचम हौसी गांव से बाइक से अपने घर बिदनपुर जा रहे थे जैसे ही वह चरवा थाना क्षेत्र के सिरियावा कला गांव के पास पहुंचे ट्रैक्टर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी है हादसे में नत्थू की मौके पर मौत हो गई है हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची चरवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है हादसे की खबर जैसे ही मृतक के घर पहुंची घर में कोहराम मच गया है।

वाहन की टक्कर से दो युवक गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के बमरौली चौकी अंतर्गत भगवतपुर मोड़ के पास मंगलवार की रात लगभग 10 बजे वाहन की टक्कर से तीन युवक अतुल कुमार पुत्र नरोत्तमदास, अनीस पुत्र मुक्खू एवं अजीत निषाद पुत्र कल्लू गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना पाकर मौके पर बमरौली चौकी पुलिस पहुंचकर घायलों को एसआरएन हॉस्पिटल में पहुंचाया जहां पर तीनों घायल युवकों का इलाज चल रहा है। चौकी पुलिस घायल युवकों को उपचार हेतु भेजकर सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से टक्कर मारकर भागने वाले वाहन की खोजबीन शुरू कर दी है। तीनों घायल युवक मेंहदौरी के बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि तीनों युवक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वापस लौटते समय भगवतपुरमोड़ पहुंचते ही पीछे से अज्ञात वाहन टक्कर मारकर तेज गति के साथ वाहन सहित चालक फरार हो गया जिसकी खोजबीन सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से बमरौली चौकी कर रही है।

नलकूप की टूटी नाली किसानों के खेतों को नहीं मिलता पानी

कौशाम्बी। राजकीय नलकूप संख्या 39 सी नगर पंचायत चरवा की नाली विगत कई वर्षों से टूटी फूटी होने से कृषकों को सिचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा है जिस पर किसानों ने कई बार ध्वस्त नाली ठीक करने हेतु उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क स्थापित किया किसानों का कहना है कि आश्वासन दिया गया कि नलकूप की टूटी हुई नाली को ठीक करा कर कृषकों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराया जाएगा लेकिन उसके बाद भी किसानों को खेतों तक पानी नहीं मिल सका।

सेंट फ्रांसिस स्कूल बेरुआ में जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण हेतु सेंट फ्रांसिस स्कूल बेरुआ में एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना एवं अतिथियों के स्वागत गीत के साथ हुआ, जानवी जायसवाल, दिविता त्रिपाठी, समृद्धि केसरवानी, सौम्या एवं छवि वर्मा आदि बालिकाओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए यह बताने की कोशिश किया कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद जनपद के पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों को अभी से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक एवं जानकार होना चाहिए, आपको किसी भी दशा में किसी भी व्यक्ति के शोषण का शिकार नहीं होना है और शोषण के विरुद्ध अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए उसका जवाब देना है, कोई भी व्यक्ति फोन के माध्यम से आपके साथ छेड़छाड़ या उत्पीड़न कर रहा हो, किसी भी सोशल नेटवर्किंग, वेबसाइट आदि के माध्यम से, किसी भी सार्वजनिक स्थान पर आपका पीछा कर रहा हो, कोई भी व्यक्ति अपने मित्रों के साथ किसी खास स्थान पर

स्कूल में आयोजित कार्यक्रम

बालिकाओं के साथ किसी भी प्रकार की छींटाकशी, या छेड़खानी करे तो तुरंत 1090 पर कॉल करना चाहिए। पीड़िता की कॉल केवल महिला अधिकारी द्वारा ही ली जाएगी, पीड़िता की शिकायत उनकी तरफ से कोई और महिला भी दर्ज करा सकती है, परंतु 1090 की ऑपरेटर पीड़िता से स्वयं बात करेगी। पीड़िता के मोबाइल पर एक रजिस्ट्रेशन नंबर जाएगा, पीड़िता की पहचान सदैव गोपनीय रखी जाएगी पीड़िता को कभी पुलिस स्टेशन नहीं बुलाया जाएगा। 1090 के अधिकारी पीड़िता से समस्या के समाधान तक संपर्क में बने रहेंगे। उक्त तथ्यों को छात्राओं के समक्ष रखते हुए पुलिस अधीक्षक ने छात्रों से उनके शिक्षक की भांति अनेकों प्रश्न उत्तर भी किया। इस अवसर पर बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ की जिला संयोजिका /काउंसलर महिला थाना निधि त्रिपाठी एवं जनपद के महिला थाना की थानाध्यक्ष सुशीला तिवारी, थानाध्यक्ष चरवा संतोष शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित समस्त अतिथियों का विद्यालय के प्रधानाचार्य जेराल्ड पी डिसूजा द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की छात्रा श्रुति कुशवाहा ने शिक्षक लुइस जोसेफ एवं सौरभ नाथ के निर्देशन में किया।

आकांक्षा संयोजक मदन बने सह संयोजक

कौशाम्बी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कौशाम्बी के जिला संयोजक ओम दत्त त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक बैठक मंझनपुर में आहूत की गई। बैठक में संगठन विस्तार एवं शिक्षक समस्याओं के समाधान के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक में जिला सयोजक ओम दत्त त्रिपाठी द्वारा आकांक्षा वर्मा को मूरतगंज विकासखंड का संयोजक और मदन कुमार यादव को सहसंयोजक बनाने की घोषणा की गई।राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला सह संयोजक उमेश चन्द्र तिवारी ने संयोजक और सह संयोजक को मूरतगंज ब्लॉक में संगठन का विस्तार संगठन की नियमावली के अनुसार सम्पन्न करने हेतु प्रेरित किया।

नवनियुक्त ब्लाक संयोजक आकांक्षा वर्मा ने कहा कि नयी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किया जाएगा और संगठन की नियमावली के अनुसार संगठन का विस्तार किया जायेगा।नवनियुक्त सहसंयोजक मदन कुमार यादव ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान हेतु वो सदैव तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर मायापति त्रिपाठी,गोरखनाथ मिश्र, नितिन यादव, भूपेंद्र सिंह, दीपक सिह,शेष कुमार दुबे , दिनेश कुमार, जगदीप सरोज, आरती सिंह, रवीकांत यादव, रितु विश्वकर्मा, मो0 सालिम, मो0फुजैल,उमाशंकर यादव आदि रहे।

चुनावी घोषणा पत्र को याद करे भाजपा सरकार : किसान संघ

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी जनपद मुख्यालय में धरना प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और डीएम की अनुपस्थिति में उप जिला अधिकारी को सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार के चुनावी घोषणा पत्र में किसानों को नलकूप की बिजली निशुल्क देने के संकल्प की मांग विद्युत विभाग से जुड़े समस्याओं का समाधान किया जाए भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष बब्बू सिंह के नेतृत्व में दर्जनों किसान बुधवार को समस्याओं के समाधान को लेकर प्रदर्शन नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में सरकार बन जाने के बाद किसानों को नलकूप की बिजली निशुल्क देने का वचन दिया था उत्तर प्रदेश के किसानों ने भाजपा के संकल्प पत्र पर विश्वास करके पुनः भाजपा की सरकार बनाई है परंतु सरकार द्वारा अभी तक दिए वचन का पालन नहीं हो पाया इसलिए किसानों की इन भावनाओं वा मांगो को साझा कर किसान हित को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री से भारतीय किसान संघ नलकूप की बिजली निशुल्क देने के संकल्प को पूर्ण करने की मांग विद्युत विभाग की अनियंत्रित अधिकारियों पर नियंत्रण विद्युत बिलों को शुद्ध कराने और अघोषित विद्युत कटौती को रोस्टर के

ज्ञापन सौंपते किसान संघ के पदाधिकारी

अनुसार देने की मांग निजी नलकूप पर विद्युत विभाग द्वारा लगाए जा रहे विधुत मीटर को रोकने का आग्रह सहित विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा गया है इस मौके पर कृष्ण मुरारी मिश्रा राजीव कुमार तिवारी अशफीर्लाल कुशवाहा भगवानदास जयदीप सिंह प्रवीण सिंह वीरेंद्र सिंह दीनानाथ आशीष कुमार अविनाश कुमार कुशवाहा पवनेश मिश्रा सुरेश मिश्रा पप्पू पटेल सहित किसान संघ के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

मुस्कराना खूबसूरत जिंदगी का इम्यूनिटी बूस्टर!

कुदरत नें इस खूबसूरत सृष्टि रूपी कायनात में एक खूबसूरत प्राणी मनुष्य की रचना कर 84 लाख जीवों से अलग एक विशेष कलाकृति बुद्धि का सृजन मानव शरीर में समाहित किया ताकि उस के बल पर अन्य जीवों से अति उत्तम जीव बन कर रहे! वैसे तो मानव शरीर की संरचना के अंग हर दूसरे प्राणियों में भी होते हैं पर बुद्धि अपेक्षाकृत सर्वश्रेष्ठ होती है! जिसका उपयोग हम सकारात्मकता से अपने अपने क्षेत्रों और अपने शरीर को स्वस्थ, निरोगी काया बनाने में करने की विचारधारा को रेखांकित करना होगा! साथियों बात अगर हम अपने शरीर के स्वस्थ एवं निरोगी रखने की करें तो उसके अनेक तरीकों में से एक हंसना और मुस्कुराना एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है जिसका उपयोग करने से हमारे स्वास्थ्य पर बहुत अधिक फायदा होता है यह स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा भी कहा गया है परंतु वह हंसना मुस्कुराना असली होना चाहिए! इसीलिए बड़ों की तुलना में बच्चे ज्यादा खुश रहते है, ये बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बात है लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम मुस्कुराना भूल जाते हैं। बच्चे हम बड़ों की तुलना में 10 गुना ज्यादा मुस्कुराते हैं। आमतौर पर बच्चे एक दिन में करीब 400 बाद मुस्कुराते और हँसते हैं, वहीं हम एडल्ट लोग सिर्फ 40 से 50 बार ही मुस्कुराते हैं? असली मुस्कान में आंखों के नीचे की मांसपेशियां एक्टिव होती हैं। जबकि झूठी स्माइल हमारे होंठों के आसपास की मांसपेशियों के इस्तेमाल से ही आती है। जब स्माइल असली होती है, हमारे दिमाग में न्यूरोनल सिग्नल्स चेहरे की मसल्स को एक्टिवेट कर देते हैं। असली मुस्कान में हमारा दिमाग हमारे चेहरे को बताता है कि हमें मुस्कुराना है। साथियों बात अगर हम मुस्कान और हंसी की करें तो, मुस्कान एक चेहरे की अभिव्यक्ति है जो तब होती है जब हम खुश और प्रसन्न होते हैं, लेकिन मुस्कान की शक्ति हमारे विचार से कहीं अधिक मजबूत होती है। यह न केवल हमारे स्वास्थ्य और कल्याण को लाभ पहुंचाता है, बल्कि यह हमारे आस-पास के लोगों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। कहावत सच है - मुस्कान वास्तव में संक्रामक होती है । एक मुस्कान बहुत आगे तक जा सकती है और यह हमारे सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डालती है। हम अधिक मिलनसार, हो जाते हैं और लोग हमारे आस-पास सहज महसूस करते हैं। मुस्कुराना कोई कठिन कार्य नहीं है, परंतु फिर भी हमको कम ही लोग ऐसे दिखेंगे जो हर वक्त खुश दिखते हैं या मुस्कुराते रहते हैं, ये वो लोग है जिनके अंदर खुशी का संचार चौबीस घंटे ही बना रहता है, जिनको तनाव वाली स्थितियां अपनी ओर आकर्षित नहीं कर पाती, क्योंकि खुशी उनके व्यक्तित्व का एक अहम हिस्सा बन जाती है जिसको बदलना इतना आसान नहीं, ऐसे व्यक्तित्व के आस पास भी हम रहेंगे तो खुशी ही महसूस करते हैं।

साथियों बात अगर हम मुस्कान को जिंदगी का इम्यूनिटी बूस्टर होने की करें तो, मुस्कुराने से हमारी मांसपेशियों को शांत करने में मदद मिलती है और हमको आराम का एहसास होता है। एक मुस्कान चिंता से बचने में मदद कर सकती है और इसलिए हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार कर सकती है। एक मुस्कान एंडोर्फिन जारी करती है और मानसिक परिश्रम को बढ़ाती है। यह तनाव को कम करता है और हमारे दिमाग को सकारात्मक दृष्टिकोण की ओर ले जाता है।

लोक कल्याणकारी सरकार से जनता को अपेक्षा

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

दिव्यांगजनों के प्रोत्साहन के लिए राज्यस्तरीय पुरस्कार की श्रेणी में चार गुना वृद्धि की गई। तीस उप श्रेणी बनाई गई। पुरस्कार राशि पांच गुना वृद्धि की गई है। राज्य सरकार ने श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रत्येक निवासी व प्रवासी श्रमिक को दो लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा कोरोना काल के दौरान उपलब्ध करायी है। प्रदेश सरकार प्रत्येक श्रमिक को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने की कार्यवाही कर रही है

समाज कल्याण के व्यापक आयाम होते हैं। लोक कल्याणकारी सरकार से इन सभी पर एक साथ प्रयास करने की अपेक्षा रहती है। इस आधार पर सरकार के कार्यों का आकलन किया जाता है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने इस दायित्व का बखूबी निर्वाह किया। यही कारण है कि ईज ऑफ लिविंग में उत्तर प्रदेश का ग्राफ बहुत ऊपर हुआ है। विगत पांच वर्षों के दौरान समाज कल्याण के सभी मोर्चों पर एक साथ प्रभावी कार्य किया गया। इस दौरान दो वर्ष तक कोरोना महामारी का प्रकोप रहा। आपदा की इस अवधि में समाज कल्याण के कार्यों की सर्वाधिक आवश्यकता थी। केंद्र व प्रदेश की सरकारों ने गरीबों के भरण-पोषण हेतु विश्व की सबसे बड़ी निःशुल्क राशन योजना लागू की। योगी आदित्यनाथ ने अपनी दूसरी पारी इस योजना की समय सीमा बढ़ाने के साथ की। उत्तर प्रदेश में विगत पांच वर्षों के दौरान व्यवस्था बदलाव के प्रभावी प्रयास किये गए। इसके चलते ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से लेकर ईज ऑफ लिविंग की रैंकिंग में अभूतपूर्व मुकाम हासिल हुआ है। इसके पहले उत्तर प्रदेश का इस क्षेत्र में पिछड़ा माना जाता था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्वप्रथम प्रदेश की व्यवस्था को बदलने का कार्य किया। इसका सकारात्मक प्रभाव अनेक क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। ईज ऑफ लिविंग अभियान के अंतर्गत योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन सभागार में ई पेंशन पोर्टल का शुभारंभ किया। पेंशनधारकों को यह सुविधा उपलब्ध कराने वाला यूपी देश का पहला राज्य है। सात वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया अभियान शुरू किया था। इसके अंतर्गत देश में चालीस करोड़ जन-धन खाते खोले गए। व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के तकनीकी प्रयास किये गए। इससे जरूरतमंदों को सीधा व शत-प्रतिशत लाभ मिलना सुनिश्चित हुआ। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने भी व्यापक सुधार किए। इसके अनुरूप प्रदेश सरकार के वित्त विभाग ने ई-पेंशन पोर्टल का विकास किया। इससे पेंशन व्यवस्था को सुगम व पारदर्शी बनाया गया है। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत पेंशनर को सेवानिवृत्त होने के छह माह पहले ही

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन और आवेदन करना है। रजिस्ट्रेशन करने के बाद आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा पेंशनर के आवेदन की जांच कर 30 दिनों के अन्दर पेंशन पेमेण्ट ऑर्डर जारी करने वाले अधिकारी को अग्रसारित कर दिया जाएगा। पीपीओ जारी करने वाले अधिकारी द्वारा 30 दिनों के अन्दर पीपीओ जारी कर दिया जाएगा। पूरी प्रक्रिया सेवानिवृत्ति से तीन महीने पहले पूर्ण कर ली जाएगी। यहां से पेंशन के कागजात पूर्ण होने का संदेश आवेदनकर्ता के पास आ जाएगा। नियत तिथि को कोषागार द्वारा पेंशनर के खाते में पेंशन का ऑनलाइन भुगतान हो जाएगा। यह पोर्टल कॉन्टैक्टलेस है। कहीं जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना है। शेष प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। यह पेपरलेस तथा कैशलेस है। पूरी प्रक्रिया सेवानिवृत्ति के छह माह पूर्व से शुरू होकर अपने आप पूरी हो जाएगी। यह सुविधा अनेक उपलब्धियों से भरी है। पेंशन के लिए किसी को भटकना नहीं पड़ेगा। इसी प्रकार दिव्यांग कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किये गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांग की जगह दिव्यांग संबोधन का प्रयोग किया था। उनका कहना था कि शारीरिक रूप से अक्षम लोगों में कोई न कोई दिव्य प्रतिभा अवश्य होती है। अवसर मिलने से उनकी प्रतिभा में निखार आता है। जिससे वह समाज व के सामने अपनी क्षमता को प्रमाणित भी करते है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस विचार को आगे बढाते रहे हैं। इन प्रयासों से विकलांगों के प्रति समाज की धारणा बदल रही है। दिव्यांग शब्द में एक सम्मान का भाव है। अब यह शब्द प्रचलन में आ गया है। योगी आदित्यनाथ ने भारत की ऋषि परम्परा में ऋषि अष्टावक्र व महाकवि सूरदास का उल्लेख किया। कहा कि इन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा से समाज को नई दिशा प्रदान की। उनकी भक्ति, विचार व साहित्य शाश्वत रूप में प्रासंगिक रहेंगे। भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंस ने भी दिव्यांग शब्द को चरितार्थ किया है। उनकी दिव्य प्रतिभा को भी लोगों ने देखा व स्वीकार किया है। उन्होंने ब्रह्माण्ड के रहस्य पर महत्वपूर्ण शोध किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के पास कुछ न कुछ क्षमता अवश्य है। अयोग्यः पुरुषो नास्तिः। कुछ भी अयोग्य नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति के अन्दर कुछ न कुछ गुण अवश्य होता है। इसके लिये उनको अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। सरकार इस दिशा में कार्य कर रही है। योगी आदित्यनाथ डॉ शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित विभिन्न कार्यों के शिलान्यास एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम में सहभागी हुए। उन्होंने कहा है कि व्यक्ति के विवेक,साहस,विचार और बुद्धिमत्ता से उसकी पहचान बनती है। इनका स्थूल रूप में मूल्यांकन नहीं हो सकता। शारीरिक रूप में कठिनाई का सामना करते हुए भी लोग जीवन में सफल हो सकते है। यह विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के पुनर्वास में योगदान कर रहा है। यहां के आधे विद्यार्थी दिव्यांग व आधे सामान्य हैं। इनका परस्पर समन्वय, संवाद व सहयोग सार्थक हो रहा है। यहां अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय स्थापित होने जा रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान को मजबूत बनाने के लिए शासन ने प्रदेश के एक करोड़ बच्चों को टैबलेट एवं स्मार्टफोन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसमें हर प्रकार के पाठ्यक्रम टैग होंगे। इसका विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार द्वारा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स तथा औद्योगिक विकास विभाग के समन्वय से नए नए प्रोग्राम के साथ इन बच्चों को जोड़ने का कार्य किया जाएगा। इससे ऑनलाइन एजुकेशन के साथ-साथ इन विद्यार्थियों को किसी परीक्षा की ऑनलाइन तैयारी के लिए भी सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। वर्तमान सरकार ने दिव्यांगों की सुविधा हेतु अभूतपूर्व कार्य किये हैं। दिव्यांगजन पेंशन राशि तीन सौ रुपये प्रतिमाह से बढ़ाकर एक हजार रुपये प्रतिमाह कर दी गई है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के वार्षिक बजट को लगभग दोगुना किया गया। इसी प्रकार पेंशन प्राप्त करने वालों की संख्या व उपकरण हेतु दी जाने वाली धनराशि में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। दिव्यांगजनों को परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा भी दी गयी है। दिव्यांगजनों के प्रोत्साहन के लिए राज्यस्तरीय पुरस्कार की श्रेणी में चार गुना वृद्धि की गई। तीस उप श्रेणी बनाई गई। पुरस्कार राशि पांच गुना वृद्धि की गई है। राज्य सरकार ने श्रमिकों के कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रत्येक निवासी व प्रवासी श्रमिक को दो लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा कोरोना काल के दौरान उपलब्ध करायी है। प्रदेश सरकार प्रत्येक श्रमिक को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान करने की कार्यवाही कर रही है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

न्यायालयों में राजस्व मामलों का बोझ

प्रमोद भार्गव

ऐसा पहली बार देखने में आया है कि सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा ने न्यायालयों में बढ़ते मामलों के मूल कारणों में जजों की कमी के साथ राजस्व न्यायालयों को भी दोषी ठहराया है। रमणा ने न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की शक्तियों और क्षेत्राधिकार के विभाजन की संवैधानिक व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि कर्तव्यों का पालन करते समय हम सभी को लक्ष्मण रेखा की मयार्दा ध्यान में रखनी चाहिए। यदि ऐसा होता है तो न्यायपालिका कभी भी शासन के रास्ते में आड़े नहीं आएगी। आज जो न्यायपालिका में मुकदमों का ढेर लगा है, उसके लिए जिम्मेदार प्रमुख प्राधिकरणों द्वारा अपना काम ठीक से नहीं करना है। इसलिए सबसे बड़ी मुकदमेबाज सरकारें हैं। न्यायालयों में 66 प्रतिशत मामले राजस्व विभाग से संबंधित हैं। राजस्व न्यायालय एक तो भूमि संबंधी प्रकरणों का निराकरण नहीं करती, दूसरे न्यायालय निराकरण कर भी देती है तो उस पर वर्षों अमल नहीं होता। नतीजतन, अवमानना के मुकदमे बढ़ने की भी एक नई श्रेणी तैयार हो रही है। अदालत के आदेश के बावजूद उसका क्रियान्वयन नहीं करना लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। रमणा ने मामलों का बोझ बढ़ने का कारण गिनाते हुए कहा कि तहसीलदार यदि भूमि के नामांतरण और बंटवारे समय पर कर दें तो किसान अदालत क्यों जाएगा? यदि नगर निगम, नगरपालिकाएं और ग्राम पंचायतें ठीक से काम करें तो नागरिक न्यायालय का रुख क्यों करेगा? यदि राजस्व विभाग परियोजनाओं के लिए जमीन का अधिग्रहण विधि सम्मत करे तो लोग अदालत के दरवाजे पर दस्तक क्यों देंगे? ऐसे मामलों की संख्या 66 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि जब हम सब संवैधानिक पदाधिकारी हैं और इस व्यवस्था का पालन करने के लिए जिम्मेदार हैं और हमारे क्षेत्राधिकार भी स्पष्ट हैं, तब समन्वय के साथ दायित्व का पालन करते हुए राष्ट्र की लोकतांत्रिक नींव मजबूत करने की जरूरत है। रमणा ने यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आहूत मुख्यमंत्रियों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों के सम्मेलन में कही। अदालतों में मुकदमों की संख्या बढ़ाने में राज्य सरकारें निश्चित रूप से जिम्मेवार हैं। वेतन विसंगतियों को लेकर एक ही प्रकृति के कई मामले ऊपर की अदालतों में विचाराधीन हैं। इनमें से अनेक तो ऐसे प्रकरण हैं, जिनमें सरकारें आदर्श व पारदर्शी नियोक्ता की शर्तें पूरी नहीं करती हैं। नतीजतन जो वास्तविक हकदार हैं, उन्हें अदालत की शरण में जाना पड़ता है। कई कर्मचारी सेवानिवृति के बाद भी बकाए के भुगतान के लिए अदालतों में जाते हैं। जबकि इन मामलों को कार्यपालिका अपने स्तर पर निपटा सकती है। हालांकि कर्मचारियों से जुड़े मामलों का सीधा संबंध विचाराधीन कैदियों की तादाद बढ़ाने से नहीं है, लेकिन अदालतों में प्रकरणों की संख्या और काम का बोझ बढ़ाने का काम तो ये मामले करते ही हैं। इसी तरह पंचायत पदाधिकारियों और राजस्व मामलों का निराकरण राजस्व न्यायालयों में न होने के कारण न्यायालयों में प्रकरणों की संख्या बढ़ रही है। जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा और बिजली बिलों का विभाग स्तर पर नहीं निपटना भी अदालतों पर बोझ बढ़ा रहे हैं। कई प्रांतों के भू-राजस्व कानून विसंगतिपूर्ण हैं। इनमें नाजायज कब्जे को वैध ठहराने के उपाय हैं। जबकि जिस व्यक्ति के पास दस्तावेजी साक्ष्य है, वह भटकता रहता है। इन विसंगतिपूर्ण धाराओं का विलोपीकरण करके अवैध कब्जों से संबंधित मामलों से निजात पाई जा सकती है। लेकिन नौकरशाही ऐसे कानूनों का वजूद बने रहने देना चाहती है, क्योंकि इनके बने रहने पर ही इनका रौब-रुतबा है। हमारे यहां संख्या के आदर्श अनुपात में कर्मचारियों की कमी का रोना अक्सर रोया जाता है। ऐसा केवल अदालत में हो,ऐसा नहीं है। पुलिस, शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध न कराने का यही बहाना है। कोरोना काल में स्वास्थ्य विभाग चिकित्सकों एवं उनके सहायक कर्मचारियों की कमी बड़ी संख्या में देखने में आई थी। इसकी पूर्ति आउट सोर्स के माध्यम से चिकित्सक एवं कर्मचारी तैनात करके तत्काल तो कर ली गई, किंतु कोरोना संकट खत्म होते ही उन्हें हटा दिया गया। नतीजतन कमी यथावत है।

चिंतन

क्या पत्रकारिता के क्षेत्र में हमारा स्तर इतना खराब है?

सुनील कुमार

हाल ही में यानी कि वर्ष 2022 में रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें भारत की पत्रकारिता को एक सौ अस्सी देशों की सूची में 150 वां स्थान मिला है। कुछ लोगों के अनुसार यह अत्यंत सोचनीय है। सोचनीय इसलिए कि पिछले बरस इस रिपोर्ट में भारत को 142वां स्थान मिला था और इस बार यह आठ स्थान नीचे खिसक कर 150 वें स्थान पर आ गया है। बताता चलूँ कि वर्ष 2016 में भारत का इसमें 133 वां स्थान था, और वर्तमान में जो रिपोर्ट जारी की गई है उसके अनुसार ये अब तक का भारत का पत्रकारिता के संदर्भ में सबसे खराब प्रदर्शन है। लेकिन यहाँ यह भी सोचनीय है कि क्या पत्रकारिता के क्षेत्र में हमारा स्तर इतना खराब है, क्योंकि यह एक विदेशी संस्था द्वारा जारी आंकड़ों के आधार पर है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब ऐसी रिपोर्ट जारी की गई है, इससे पहले भी पत्रकारिता के संदर्भ में इस संस्था द्वारा रिपोर्ट जारी की जाती रही है। बताता चलूँ कि रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्सह्न हर साल ह्यवर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्सह्न जारी करता है, जिसमें अलग-अलग देशों में मीडिया काम करने में कितना आजाद और स्वतंत्र है, उसकी स्थिति इस संस्था द्वारा बताई जाती है और रैंकिंग जारी की जाती है। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि विदेशी संस्थाओं द्वारा जारी की गई हरेक रिपोर्ट्स सच्ची होतीं हैं। स्वयं भारत सरकार ने इस रिपोर्ट की विश्वनीयता पर सवाल उठाते हुए इसे मानने से इंकार कर दिया है, लेकिन फिर भी इस रिपोर्ट पर चिंतन किये जाने की आवश्यकता अहम है। यह हमारे लिए सोचनीय इसलिए हो जाता है नेपाल जैसा छोटा सा देश भी हमसे रैंकिंग में बहुत आगे है। भारत का पड़ोसी देश नेपाल 30 रैंक उछाल मार कर 76 वें पायदान पर पहुंच गया है जबकि चीन (175वां), पाकिस्तान 157वां (12 स्थानों की गिरावट), बांग्लादेश 162वां और श्रीलंका को इसमें 146वां स्थान मिला है। पत्रकारिता को समाज का दर्पण कहा जाता है और पत्रकारिता' समाज का ऐसा दर्पण है जिसमें देश, विदेश सहित समाज या आस -पास घटने वाली समस्त सत्य घटनाओं को देखा जा सकता है। यदि यह दर्पण मैला हो जाए या टूटने लगे तो समझ लेना चाहिए कि लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ खतरे में है। यह जरूर है कि पिछले कुछ सालों में भारत की पत्रकारिता में काफी गिरावट आई है और आज पत्रकारिता का उद्देश्य देश व समाज सेवा न होकर सिर्फ और सिर्फ पैसा कमाना हो गया है। आज पत्रकारिता का उद्देश्य नेम-फेम, पैसा कमाना हो गया है, जो कि पत्रकारिता के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता है। कुछेक लोगों के स्वार्थों के कारण पत्रकारिता के मूल्य आज लगातार गिरते चले जा रहे हैं। पत्रकारिता में आदर्श मूल्यों का आज अभाव हो गया है। आज की पत्रकारिता स्वार्थों के चलते पहले के जमाने की तरह निष्पक्ष, निडर व सच्ची नहीं रही। ऐसा भी नहीं है कि आज पत्रकार सच्चाई को निडरता व निष्पक्षता से समाज के सामने नहीं लाते हैं। वे आवश्यक रूप से सच्चाई को निडरता व निष्पक्षता से उजागर करते हैं लेकिन कई बार कुछ स्वार्थी लोग, तुच्छ राजनीति पत्रकारिता में दाग लगा देती है जो कि सही नहीं ठहराया जा सकता है। बहरहाल, बताता चलूँ कि वैश्विक प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक 2020 के मुताबिक, साल 2019 में भारत में किसी पत्रकार की हत्या नहीं हुई जबकि साल 2018 में पत्रकारों की हत्या के छह मामले सामने आए थे। आज यदि देश में कहीं भी प्रेस की आजादी का उल्लंघन होता है तो यह बड़ी ही विडंबना का विषय कहा जा सकता है। वर्ष 2020 में जो रिपोर्ट आयी थी उसमें यह बात कही गई थी कि हमारे यहाँ पत्रकारों के विरुद्ध पुलिस ने भी हिंसात्मक कार्रवाई की, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले हुए और साथ ही आपराधिक समूहों-भ्रष्ट अधिकारियों द्वारा विद्रोह भड़काने का काम किया गया। पत्रकारिता के साथ ऐसा होता है तो वाकई यह बहुत ही खेदजनक है और विडंबना पूर्ण भी, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (क) के तहत सभी नागरिकों को वाक एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। कुछ लोगों का मानना है कि हम रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की रिपोर्ट को यूं ही न लें,बल्कि उस पर गहन चिंतन और मनन करें क्योंकि 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' पेरिस की एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी और जानी मानी संस्था हैं। इसे संयुक्त राष्ट्र, यूनेस्को, यूरोपीय परिषद, फ्रैंकोफोनी के अंतर्राष्ट्रीय संगठन और मानव अधिकारों पर अफ्रीकी आयोग में भी सलाहकार का दर्जा प्राप्त है।

श्रीलंका की वर्तमान दुर्दशा से पड़ोसी देशों को महत्वपूर्ण सबक

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंद्र राजपक्ष को मजबूरन इस्तीफा देना पड़ गया। उनके छोटे भाई गोटबाया राजपक्ष अभी भी श्रीलंका के राष्ट्रपति पद पर डटे हुए हैं। श्रीलंका में आम-जनता के बीच इतना भयंकर असंतोष फैल गया है कि इस राजपक्ष सरकार को कई बार कर्फ्यू लगाना पड़ गया। इस राजपक्ष सरकार के मंत्रिमंडल में राजपक्ष-परिवार के लगभग आधा दर्जन सदस्य कुर्सी पर जमे हुए थे। जब आम जनता का गुस्सा बेकाबू हो गया तो मंत्रिमंडल को भंग कर दिया गया। लोगों के दिलों में यह प्रभाव जमाया गया कि राजपक्ष परिवार को कोई पद-लिप्सा नहीं है। राष्ट्रपति गोटबाया ने सारे विपक्षी दलों से निवेदन किया कि वे आएं और मिलकर नई संयुक्त सरकार

बनाएं लेकिन विपक्ष के नेता सजित प्रेमदास ने इस प्रस्ताव को रद्द कर दिया। अब भी राष्ट्रपति का कहना है कि विपक्ष अपना प्रधानमंत्री खुद चुन ले और श्रीलंका को इस भयंकर संकट से बचाने के लिए मिली-जुली सरकार बनाए लेकिन विपक्ष के नेता इस प्रस्ताव पर अमल के लिए बिल्कुल तैयार नहीं हैं। वे सारे श्रीलंकाइयों से एक ही नारा लगवा रहे हैं- गोटा गो याने राष्ट्रपति भी इस्तीफा दें।

श्रीलंका के विपक्षी नेताओं की यह मांग ऊपरी तौर पर स्वाभाविक लगती है लेकिन समझ नहीं आता कि नए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की नियुक्ति क्या चुटकी बजाते हो जाएगी? उनका चुनाव होते-होते श्रीलंका की हालत और भी बदतर हो जाएगी। नये राष्ट्रपति और नई सरकार खाली हुए राजकोष को तुरंत कैसे भर सकेगी? श्रीलंका का विपक्ष भी एकजुट नहीं है। स्पष्ट बहुमत के अभाव में वह सरकार कैसे बनाएगा? वह सर्वशक्ति संपन्न राष्ट्रपति को कैसे बर्दाश्त करेगा? यदि श्रीलंका का विपक्ष देशभक्त है तो उसका पहला लक्ष्य यह होना चाहिए कि वह मंहगाई, बेरोजगारी और अराजकता पर काबू करे। गोटबाया सरकार जैसी भी है, फिलहाल उसके साथ सहयोग कर-के देश को चौपट होने से बचाए। भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों से प्रचुर सहायता का अनुरोध करे और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा-कोष से भी आपात राशि की मांग करे। अभी तो लोग दंगों और हमलों से मर रहे हैं लेकिन जब भुखमरी और बेरोजगारी से मरेंगे तो वे किसी भी नेता को नहीं बख्शेंगे, वह चाहे पक्ष का हो या विपक्ष का! श्रीलंका की वर्तमान दुर्दशा से पड़ोसी देशों को महत्वपूर्ण सबक भी मिल रहा है।

खिलाफत आंदोलन का महिमा मंडन

दिव्य अग्रवाल

खिलाफत आंदोलन के नाम पर हिन्दुओं के नरसंहार को भूलकर आजादी के आंदोलन का हिस्सा बताना गांधी जी की गलती को दोहराना है। 1919 से 1924 का वह कालखंड जिसमें भारत के मुसलमान ब्रिटेन का विरोध इसलिए कर रहे थे की तुर्की में खलीफा की सत्ता को विस्थापित न किया जाए । खलीफा मुस्लिम धर्मगुरु की एक पदवी होती है जिसको लेकर मुसलमान चाहते थे कि समूचे विश्व की सत्ता उनके धर्मगुरु खलीफा के अनुसार चले। परन्तु गांधी जी ने इस इस्लामिक आंदोलन को भारत की आजादी से जोड़ दिया। गांधी जी ने भारत के हिन्दुओ को मुस्लिमो के साथ खड़े होकर ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध संघर्ष करने को कहा। हिन्दू समाज ने आँख बंदकर इस विश्वाश के साथ मुस्लिमो का साथ दिया की हम सब ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध लड़ रहे हैं । जबकि मुस्लिम समाज तो अपने धर्म ० अपनी खलीफा व्यवस्था को तुर्की से लेकर भारत तक स्थापित करने हेतु लड़ रहे थे। इस खिलाफत आंदोलन का ब्रिटिश सरकार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और तुर्की में खलीफा व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया। जिसके बाद भारत में खलीफा व्यवस्था हेतु मुस्लिम समाज ने भारतीय हिन्दुओ के प्रति हिंसात्मक कार्यवाही अपनाते हुआ हिन्दुओ का नरसंघार , बलात्कार , निर्ममहत्या आदि अमानवीय बर्बरता अपनांनी शुरू कर दी। इतना सब देखते हुए भी गांधी जी मौन रहकर हिन्दुओ को अहिंशा का पाठ पढ़ाते रहे। मुस्लिम समाज ने मालाबार , मोपला आदि में जमकर नरभेद किया, महिलाओ को शीलभंग किया परन्तु मुस्लिमो को हिन्दुओ के साथ मिलाने ० मुस्लिमो को शांत करने हेतु गांधी जी हिन्दुओ को आपसी सद्भाव की शिक्षा देते रहे। यदि भारत का सभ्य समाज मालाबार , मोपला के संघार को पढ़ ले तो समझ आएगा की खिलाफत आंदोलन के नाम पर क्या हुए था । शक्तिशाली लोगो ने कठमुल्लो के समक्ष समर्पण कर दिया था ।

भाजपा की बैठक में शामिल होने की खबरों पर राहुल द्रविड़ का बयान आया सामने

शिमला। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के हिमाचल प्रदेश में एक राजनीतिक बैठक में भाग लेने की जानकारी सामने आई थी। सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई सारी पोस्ट वायरल हुई जिसके बाद अब द्रविड़ ने इस मामले पर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने इन अफवाहों पर लगाम लगाते हुए किसी भी राजनीतिक बैठक में भाग लेने से इंकार किया है। द्रविड़ के 12 से 15 मई के बीच धर्मशाला में भाजपा के युवा मोर्चा राष्ट्रीय समिति के सत्र में भाग लेने की अफवाहें सामने आई थी। द्रविड़ ने कहा कि मीडिया के एक वर्ग ने बताया है कि मैं 12 से 15 मई 2022 तक हिमाचल प्रदेश में एक बैठक में भाग लूंगा। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि उक्त रिपोर्ट गलत है।

भाजपा धर्मशाला विधायक विशाल नेहरिया द्वारा एक सार्वजनिक घोषणा करने के बाद यह खबर सामने आई और दावा किया कि बैठक में भारतीय कोच मौजूद रहेंगे। नेहरिया ने कहा था कि द्रविड़ की भागीदारी से युवाओं को अपने जीवन में एक लक्ष्य हासिल करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। नेहरिया को द्रविड़ से संबंधित मामले पर कोई पुष्टि नहीं मिली थी और उनका बयान कुछ ही देर में मीडिया पर वायरल हो गया। बीसीसीआई ने द्रविड़ के भाजपा समारोह में भाग लेने की खबरों का खंडन किया है। बीसीसीआई के मीडिया मैनेजर के मुताबिक द्रविड़ ने जोर देकर कहा कि अफवाह सच नहीं थी और उन्हें ऐसे किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं होना था। वर्तमान में द्रविड़ बेंगलुरु में हैं और हाल ही में एनसीए में पूर्वोत्तर राज्यों के खिलाड़ियों के साथ एक बैठक की मेजबानी की।

लखनऊ पर जीत के बाद हार्दिक पांड्या ने की इस स्पिनर की प्रशंसा

पुणे। आईपीएल 2022 के 57वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स पर बड़ी जीत दर्ज करते हुए गुजरात टाइटन्स 62 रन से मैच को अपने नाम किया और इसी के साथ ही टीम प्लेऑफ में क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई है। मैच के बाद टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने अपने सामूहिक प्रयास के लिए और विशेष रूप से स्पिनर साई किशोर की प्रशंसा की। गुजरात ने चार विकेट गंवाकर 144 रन बनाए और शानदार गेंदबाजी करते हुए लखनऊ को केवल 13.5 ओवर में 82 रन पर आउट कर दिया।

हार्दिक पांड्या ने मैच के बाद कहा कि वास्तव में लड़कों पर गर्व है। इस लीग में 14वें मैच से पहले क्वालीफाई करने का यह एक अच्छा प्रयास है। आखिरी मैच में हमने सोचा था कि खेल खत्म होने से पहले खत्म हो गया था। हम हमेशा की तरह अन्य मैचों की तरह दबाव थे जो हमने जीते, और हमने महसूस किया कि हम जिस तरह की बल्लेबाजी के साथ आखिरी गेम खत्म कर देंगे। वह सीख रहा था। हम बस आज निर्दयी होना चाहते थे, और खेल के बाद आराम करना चाहते थे मैं साई किशोर को बाएं हाथ के स्पिनर के रूप में काफी ऊंचा मानता हूं। हमारे पास जिस तरह के तेज गेंदबाज थे, उसके कारण उन्हें और जयंत यादव को खेलना संभव नहीं था। लखनऊ अपनी लंबाई में थोड़ा कम था और फुलर लेंथ काम कर रही थी। हमारे गेंदबाजों ने वह सब कुछ किया जो हमने उनसे पूछा और हमने आज सभी बॉक्सों पर टिक कर दिया। मुझे हमेशा लगता है कि यदि आप एक ऐसा खेल खो देते हैं जैसे हम अपने आखिरी मैच में हार गए थे, हम एक टीम के रूप में खेल जीतते और हारते हैं।

राशिद खान की टी20 क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि, ऐसा करने वाले मात्र दूसरे स्पिनर

मुंबई। गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 62 रन से हरा दिया और प्लेऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 144 रन बनाए जवाब में लखनऊ की टीम को राशिद खान की शानदार गेंदबाजी ने 82 रन पर ही ऑलआउट कर दिया। राशिद खान ने इस मैच में 4 विकेट अपने नाम किए। इसके साथ ही उन्होंने अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड कायम कर लिया है। राशिद खान टी20 फॉर्मेट में 450 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज बन गए हैं। वह ऐसा करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं और दूसरे लेग स्पिनर गेंदबाज हैं। राशिद खान से पहले टी20 फॉर्मेट में ड्वेन ब्रावो और इमरान ताहिर ने इस फॉर्मेट में अपने नाम 450 विकेट हासिल किए हैं। वहीं टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में राशिद खान तीसरे नंबर पर हैं। टी20 फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड ड्वेन ब्रावो के नाम है।

एशिया कप तीरंदाजी: भारत को तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक मिला, परनीत-अदिति और साक्षी की तिकड़ी का कमाल

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप चरण दो में सुलेमानिया में मंगलवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक हासिल किया। परनीत कौर, अदिति स्वामी और साक्षी चौधरी की तिकड़ी ने कजाखस्तान को 204-201 से हराकर महाद्वीपीय प्रतियोगिता में पहला स्वर्ण पदक दिलाया। प्रथमेश फुगे, ऋषभ यादव और जावकर समाधान की पुरुष टीम ने बांग्लादेश को एकतरफा फाइनल मुकाबले में 224-218 से मात देकर दूसरा स्वर्ण पक्का किया। समाधान ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में कजाखस्तान के सर्जेई

खिस्ट्रीज को 147-145 से हराकर दूसरा पदक जीता।

भारत ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में तीसरा स्वर्ण पदक जीता जब प्रथमेश और परनीत की जोड़ी ने कजाखस्तान के अदेल झेशेनबिनोवा और खिस्ट्रीज की जोड़ी को 158-151 से मात दी। प्रतियोगिता के अंतिम दिन बुधवार को भारतीय तीरंदाज टीम सात स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

गुजरात प्लेऑफ में क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बनी, लखनऊ को 62 रन से हराया

मुंबई। लखनऊ सुपरजायंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2022 का 57वां मैच पुणे के एमसीए स्टेडियम में खेला गया। गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। गुजरात की टीम ने शुभमन गिल की नाबाद अर्धशतकीय पारी के बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स के सामने 145 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने आई लखनऊ की शुरूआत अच्छी नहीं रही और लगातार विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 82 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात ने इस मैच को 62 रन से अपने नाम किया। राशिद खान ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए।

अर्लिंग हालंद मैनचेस्टर सिटी में शामिल, प्रति सप्ताह मिलेंगे 3.57 करोड़ रुपये

मैनचेस्टर। नॉर्वे के युवा स्टार अर्लिंग हालंद अब इंग्लैंड के इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) में खेलते हुए दिखाई देंगे। ईपीएल की मौजूदा चैंपियन मैनचेस्टर सिटी ने मंगलवार (10 मई) को उनके ट्रांसफर की पुष्टि की। हालंद फिलहाल जर्मनी के बुंदेशलिगा में बोरूसिया डॉर्टमंड की ओर से खेलते हैं। रोचक बात यह है कि उनके पिता आल्फी इंगे हालंद भी मैनचेस्टर सिटी के लिए खेल चुके हैं। आल्फी इंगे साल 2000 से 2003 तक सिटी के सदस्य थे। मैनचेस्टर सिटी ने अपने बयान में कहा, 'हम एक जुलाई 2022 से स्ट्राइकर अर्लिंग हालंद के ट्रांसफर के लिए बोरुसिया डॉर्टमंड के साथ सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गए हैं।' मशहूर फुटबॉल पत्रकार फैबरिजियो रोमानो ने ट्वीट कर बताया कि मैनचेस्टर सिटी डॉर्टमंड को 60 मिलियन यूरो (करीब 488 करोड़ रुपये) रिलीज क्लॉज के रूप में देगा। इसके अलावा कमीशन अलग से होगा। हालंद ने क्लब के साथ जून 2027 तक के लिए करार किया है।

केविन डी ब्रुईन के बराबर सैलरी

हालंद के सैलरी की बात करें तो उन्हें 375,000 पाउंड प्रति

सप्ताह (करीब 3.57 करोड़ रुपये प्रति सप्ताह) मिलेंगे। यह मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी केविन डी ब्रुईन के बराबर होंगे। हालंद ने टीम में शामिल होने के लिए मेडिकल पास कर लिया है। इस स्टार फुटबॉलर को खरीदने के लिए यूरोप की कई बड़ी टीमों ने कोशिश की, लेकिन सिटी को सफलता मिली। स्पेन के क्लब बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड के अलावा फ्रांस के पेरिस सेंट जर्मेन ने भी हालंद के लिए प्रयास किया था।

पेप गॉर्डियोला के नेतृत्व में खेलेंगे हालंद

21 साल के हालंद ने बोरूसिया डॉर्टमंड के लिए 88 मुकाबलों में 85 गोल किए हैं। अब हालंद दुनिया के बेहतरीन मैनेजर माने जाने वाले पेप गॉर्डियोला की टीम में खेलेंगे। मैनचेस्टर सिटी पिछले साल चैंपियंस लीग के फाइनल में चेल्सी से हार गई थी। वहीं, इस साल उसे रियाल मैड्रिड के खिलाफ सेमीफाइनल में शिकस्त मिली। हालंद के आने से टीम की आक्रामकता बढ़ेगी। इसका फायदा बड़े टूर्नामेंट में देखने को मिल सकता है।

नेट के ऊपर कूद कर शापावालोव ने तोड़ी संहिता, दर्शक पर भी भड़के, लोरेंजो को तीन सेटों में हराया

मैनचेस्टर। कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने इटालियन ओपन टेनिस के पहले दौर में संहिता का उल्लंघन किया लेकिन लोरेंजो सोनेगो को 7-6, 3-6, 6-3 से हराने में कामयाब रहे। दूसरे सेट में चेयर अंपायर को लाल क्लेकोर्ट पर विरोधी खिलाड़ी की साइड दिखाने के लिए वह नेट के ऊपर से कूद गए थे जो खेलभावना के विपरीत आचरण माना जाता है।

अंपायर ने शापोवालोव की सर्विस को बाहर करार दिया था जिससे उनके डबलफाल्ट पर सोनेगो को ब्रेक प्वाइंट मिला। शापोवालोव वह सेट हार गए। उन्होंने हालांकि बाद में अपने आचरण के लिए अंपायर से माफी मांगी। अब उनका सामना जॉर्जिया के निकोलोज बासिलाश्विली से होगा जिन्होंने डेनियल इवांस को 7-6, 6-2 से हराया।

मैच के दौरान शापावालोव एक दर्शक पर भी भड़के, उन्होंने अपशब्द का उपयोग कर कहा कि इसे बाहर निकालो। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। बाद में शापोवालोव ने कहा कि वह मुझे बाहर भेजने के लिए कह रहा था। मैंने अंपायर से शिकायत की लेकिन उन्होंने कहा कि मैंने दर्शक को ऐसा करते

नहीं देखा। डेनिस ने कहा कि अंपायर को बॉस्केटबाल (एनबीए)की तरह मैच के दौरान ऐसे दर्शकों पर नजर रखनी चाहिए।

तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने रीली ओपेलका को 3-6, 7-5, 6-2 से मात दी। डोमिनिक थियेम को इटली के फेबियो फोगनिनी ने 6-4, 7-6 से हराया। अब उनका सामना हमवतन जानिक सिनेर से हो सकता है। महिला वर्ग में 2020 की चैंपियन सिमोना हालेप ने एलिजे कोर्नेत को 6-4, 6-4 से हराया जबकि विक्टोरिया अजारेंका ने विक्टोरिया गोलुबिच को 6-3, 6-0 से मात दी। कोको गॉफ ने एंजेलिक कर्बर को 6-1, 6-4 से हराया। यूक्रेन की अनहेलिना कालिनिना ने मेडिसन की को 6-4, 6-4 से मात दी।

डोप टेस्ट के लिए भारतीय धाविका को ढूंढ़ रही हैं नाडा और एआईयू, एएफआई को भी नहीं मिला कोई सुराग

नई दिल्ली। ऐश्वर्या मेहरा फेडेरेशन कप राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से गायब हैं। एंटी डोपिंग एजेंसिया (नाडा और एआईयू) उनका डोप टेस्ट करने के लिए पिछले महीने से उन्हें ढूंढ़ रही हैं, लेकिन अब तक उनका कोई सुराग नहीं मिला है। ऐश्वर्या ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई पदक नहीं जीता है, लेकिन दो और तीन अप्रैल को कोझिकोड में हुई प्रतियोगिता में उन्होंने 51.18 सेकेंड में 400 मीटर की दौड़ पूरी कर ली थी और स्वर्ण पदक जीता था। इसके साथ ही वो सबसे तेज 400 मीटर दौड़ पूरी करने वाली तीसरी एथलीट बनी थीं। 51.18 सेकेंड में 400 मीटर की दौड़ पूरी करने के बाद ऐश्वर्या जुलाई में अमेरिकी जमीन पर होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर गईं। उनसे जल्दी सिर्फ दो भारतीय महिला एथलीट ने 400 मीटर दौड़ पूरी की है। हिमा दास (50.79) और मनजीत कौर (51.05) ही ऐश्वर्या से जल्दी 400 मीटर दौड़ पाई हैं।

एएफआई के कैंप में भी नहीं गई

फेडेरेशन कप में शानदार प्रदर्शन के बाद एएफआई ने उन्हें अपने कैंप में भी शामिल किया

था। उन्हें तुर्की में जाकर ट्रेनिंग करनी थी, लेकिन वो इस कैंप में भी शामिल नहीं हुई हैं। एएफआई के पास दर्ज उनका फोन नंबर भी गलत है। वो पहली बार मुंबई यूनिवर्सिटी की इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में सामने आई थीं, जब उन्होंने 52.40 सेकेंड में 400 मीटर दौड़ पूरी की थी। इसके बाद वो राष्ट्रीय कैंप का हिस्सा बनीं। अचानक उनके प्रदर्शन में निखार आने से कई लोगों ने उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाए थे। इसके बाद उनके प्रदर्शन में निखार आया और 2020 में उन्हें राष्ट्रीय कैंप से बाहर कर दिया गया।

2021 में फिर चमकीं ऐश्वर्या

2021 में ऐश्वर्या ने इंटर स्टेट चैंपियनशिप में 400 मीटर दौड़ में माहाराष्ट्र के लिए रजत पदक जीता। इसके बाद 200 मीटर दौड़ में फेडेरेशन कप में सिल्वर जीता। उनके हरियाणा में होनी की खबर सामने आई थी। पता चला था कि वो रोहतक में ट्रेनिंग कर रही हैं। इसके बाद पता चला कि वो अप्रैल के बाद से अपने हरियाणा वाले कोच के संपर्क में भी नहीं हैं।

पहले भी डोप टेस्ट से भाग चुकी हैं एथलीट

यह पहला मामला नहीं है, जब कोई भारतीय एथलीट डोप टेस्ट से भाग रही है। इससे पहले निर्मला शेवरन भी अपने निजी कोच के साथ ट्रेनिंग करती थीं। वो कभी भी राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं बनीं और लंबे समय तक उनकी भी कोई खबर नहीं थी। अंत में वो एक डोप टेस्ट में फेल हुईं और उन पर सालों का बैन लगा था। इसके साथ ही उनसे स्वर्ण पदक भी छीन लिया गया था, जो उन्होंने 2017 एशियन चैंपियनशिप में जीता था।

भारतीय टीम का शानदार प्रदर्शन, अमेरिका को 4-1 से हराया, क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली। भारत की बैडमिंटन टीम ने बीडब्लूएफ उबर कप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बैंकॉक में खेले जा रहे टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने अमेरिका के 4-1 के बड़े अंतर से हराया और आसानी से अगले दौर में पहुंच गई। इस दौर में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु ने ग्रुप डी में जीत के साथ शुरुआत की। उन्होंने जेनी गई को हराया। दोनों सेट में सिंधु का दबदबा कायम रहा। उन्होंने पहला सेट 21-10 और दूसरा सेट 21-11 के अंतर से जीता। सिंधु ने महज 26 मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया।

दूसरे मैच में भारत की महिला जोड़ी का सामना अमेरिकी खिलाड़ियों से था। भारत की

तनीशा क्रास्टो और त्रिशा जॉली ने फ्रैंसेस्का कोरबेट और अलीसन ली की जोड़ी को 21-19, 21-10 के अंतर से हरा दिया। इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी सिर्फ 34 मिनट में जीती। इसके साथ ही भारत की बढ़त 2-0 हो चुकी थी और अगले तीन मुकाबलों में भारत को सिर्फ एक जीत की जरूरत थी और अगले ही मैच में आकर्षि कश्यप ने इस्टर शी को हराकर भारत की जरूरत पूरी कर दी। उन्होंने अमेरिकी खिलाड़ी को 34 मिनट के अंदर 18-21, 11-21 के अंतर से हराया।

चौथे मैच में हारी भारतीय जोड़ी

चौथे मैच में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। श्रुति मिश्रा और सिमरन सिंघी की जोड़ी लॉरेन लैम और कोडी टैंग ली के खिलाफ 21-12, 17-21, 21-13 के अंतर से हार गई। पहले सेट अमेरिकी जोड़ी ने 21-12 के अंतर से जीता। इसके बाद दूसरे मैच में भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी कर 17-21 के अंतर से जीत हासिल की। हालांकि, अमेरिकी जोड़ी ने तीसरा सेट 21-13 के अंतर से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। पांचवें सेट में भारत की अस्मित चलिहा ने नताली ची को 31 मिनट के अंदर 21-18, 21-13 से हराया।

इसके साथ ही भारत ने यह राउंड 4-1 से अपने नाम किया। इससे पहले भारतीय टीम ने कनाडा को भी 4-1 के अंतर से हराया था। लगातार दो जीत के साथ भारतीय टीम ने क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

डिविलियर्स की बात करते हुए भावुक हुए विराट कोहली, कहा- मुझे उसकी बहुत याद आती है

नई दिल्ली। विराट कोहली को उम्मीद है कि उनके दोस्त और दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स अगले साल किसी भूमिका में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम में लौटेंगे। डिविलियर्स आरसीबी का अभिन्न अंग थे लेकिन उन्होंने पिछले साल क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया।

कोहली ने आरसीबी के ट्विटर हैंडल पर बातचीत में कहा, 'मुझे उसकी बहुत याद आती है। मैं उससे नियमित बात करता हूं। वह हाल ही में अपने परिवार के साथ गोल्फ देखने अमरीका गया था। वह आरसीबी के प्रदर्शन पर नजर रखता है और उम्मीद है कि अगले साल किसी

भूमिका में टीम के साथ होगा।'

कोहली आईपीएल में सबसे खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं और 12 मैचों में 216 रन ही बना पाए हैं। वह तीन बार शून्य पर आउट हुए। कोहली ने कहा, 'मेरे कैरियर में ऐसा कभी नहीं हुआ। मैं बस मुस्करा देता हूं। मुझे लगता है कि खेल को मुझे जो दिखाना है, वह मुझे दिखा चुका है।' कोहली ने कहा कि वह लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देते और आलोचकों को हाशिए पर रखते हैं। उन्होंने कहा, 'वे मेरी जगह नहीं ले सकते और जो मैं सोचता हूं, वैसा नहीं सोच सकते। उन पलों को नहीं जी सकते। मैं या तो टीवी की आवाज बंद कर देता हूं या उनकी बात पर ध्यान नहीं देता।' कोहली के आरसीबी की कप्तानी छोड़ने के बाद फाफ डु प्लेसी ने कमान संभाली। कोहली ने कहा, 'फाफ और मैं एक दूसरे का काफी सम्मान करते हैं। हमारा आपसी तालमेल बहुत अच्छा है।'

ज्योति याराजी ने 100 मीटर बाधादौड़ में तोड़ा 20 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली। ज्योति याराजी ने साइप्रस में चल रही इंटरनेशनल एथलेटिक्स मीट में 100 मीटर बाधा दौड़ में 13.23 सेकंड के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए जीत दर्ज की। आंध्र की 22 वर्ष की ज्योति ने लिमासोल में हुए इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। एक महीने पहले ही हवा से वैध सीमा से अधिक मदद मिलने के कारण उसका राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाला प्रदर्शन मान्य नहीं किया गया था।

पुराना रिकॉर्ड अनुराधा बिस्वाल के नाम था जो उन्होंने 2002 में 13.38 सेकंड में बनाया था। साइप्रस इंटरनेशनल मीट विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर चैलेंजर वर्ग डी का टूर्नामेंट है। भुवनेश्वर में रिलायंस फाउंडेशन ओडिशा एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास करने

वाली ज्योति ने पिछले महीने कोझिकोड में फेडरेशन कप में 13.09 सेकंड का समय निकाला था लेकिन हवा की गति प्लस 2.1 मीटर प्रति सेकंड होने से उसे अमान्य करार दिया गया क्योंकि वैध सीमा प्लस 2.0 मीटर प्रति सेकंड है।

ज्योति ने 2020 में अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी 13.03 सेकंड का समय निकाला था। लेकिन उसे अमान्य करार दिया गया क्योंकि राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी ने टूर्नामेंट में उसकी जांच नहीं की थी और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का कोई तकनीकी प्रतिनिधि वहां मौजूद नहीं था। पुरूषों की 200 मीटर दौड़ में अमलन बोरगोहेन तीसरे स्थान पर रहे। लिलि दास ने महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ जीती।

ट्विटर पर होगी अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वापसी, एलन मस्क ने किया एलान

वाशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि वह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर लगे ट्विटर बैन को हटा देंगे। मस्क ने फाइनेंशियल टाइम्स फ्यूचर ऑफ द कार कॉन्फ्रैंस में ये बात कही। एलन मस्क ने हाल में 44 अरब डॉलर में ट्विटर को खरीदा है।बता दें कि मस्क ने ट्विटर खरीदने के बाद ही 'फ्री स्पीच' की वकालत की थी। उन्होंने कहा था कि 'बोलने की आजादी एक कामकाजी लोकतंत्र का आधार है, और ट्विटर डिजिटल टाउन स्क्वायर है जहां मानवता के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मामलों पर बहस होती है। मैं नई सुविधाओं के साथ उत्पाद को बढ़ाकर, विश्वास बढ़ाने के लिए एल्गोरिदम को खुला स्रोत बनाकर, स्पैम बॉट्स को हराकर और सभी मनुष्यों को प्रमाणित करके ट्विटर को पहले से बेहतर बनाना चाहता हूं।'हालांकि ट्विटर ने मस्क की टिप्पणी पर अभी तक कुछ जवाब नहीं दिया है और ट्रंप के प्रवक्ता की ओर से भी तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। ट्रंप के कार्यकाल के अंत से पहले ही उनके ट्विटर अकाउंट को निलंबित किर दिया गया था, तब उनके 88 मिलियन (8.8 करोड़) से अधिक फॉलोअर्स थे। यह कार्रवाई सोशल मीडिया कंपनियों को शक्तिशाली वैश्विक नेताओं के खातों को कैसे मॉडरेट करना चाहिए, इस बारे में वर्षों से चल रहे बहस का अनुसरण करते हुए किया गया था। अमेरिकी कैपिटल (संसद भवन) पर छह जनवरी को हुए दंगे के तुरंत बाद ट्रंप को ट्विटर से स्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था। ट्विटर ने अपने फैसले में 'हिंसा को और भड़काने के जोखिम' का हवाला दिया था। लेकिन ट्विटर से ट्रंप को प्रतिबंधित करने के निर्णय ने पूर्व राष्ट्रपति की आवाज को शांत नहीं किया, बल्कि राजनीतिक अधिकार को लेकर लोगों के बीच उनके विचारों को बढ़ाया। मस्क ने प्रतिबंध को 'नैतिक रूप से गलत और सीधे-सीथे बेवकूफी' करार दिया।

अमेरिकी सदन में यूक्रेन के लिए 40 अरब डॉलर के नये सहायता पैकेज को मंजूरी

वाशिंगटन। अमेरिकी सदन के सांसदों ने राष्ट्रपति जो बाइडन के शुरुआती अनुरोध को बल प्रदान करते हुए यूक्रेन की मदद के लिए मंगलवार को 40 अरब डॉलर के नये सहायता पैकेज को मंजूरी दी। यह यूक्रेन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के तीन महीने से जारी युद्ध के खिलाफ द्विदलीय प्रतिबद्धता का संकेत है। विधेयक 57 के मुकाबले 368 मतों के अंतर से पारित हुआ, जो अप्रैल में बाइडन की ओर से अनुरोध की गई राशि से सात अरब डॉलर अधिक है। विधेयक में यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक सहायता देने, क्षेत्रीय सहयोगियों की मदद करने, अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन द्वारा भेजे गए हथियारों की भरपाई करने या बदलने का भी प्रावधान है। विधेयक में युद्ध के कारण यूक्रेन के कई फसलों के बर्बाद होने के कारण वैश्विक खाद्य कमी को दूर करने के लिए पांच अरब डॉलर की मदद प्रदान करने का प्रावधान है। वहीं, यूक्रेन में अमेरिका के राजदूत के लिए बाइडन प्रशासन की उम्मीदवार ब्रिजेट ब्रिंक ने मंगलवार को सांसदों से वादा किया कि वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को ''रणनीतिक रूप से विफल'' करने के लिए काम करेंगी। उन्होंने कहा कि वह कूटनीति के बजाय यूक्रेन की सेना के लिए पश्चिमी देशों से भेजी जा रही हथियार की खेप के समन्वय पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगी। ब्रिंक ने अपने 25 साल के राजनयिक करियर का अधिकांश समय पूर्व सोवियत गणराज्यों में बिताया है। उन्होंने सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सदस्यों से बात की। ब्रिंक के नाम पर सीनेट की पुष्टि होने की उम्मीद है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वर्ष 2019 में राजदूत मेरी योवानोविच को अचानक बाहर करने के बाद से यह पद खाली है। वह बाद में ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग कार्यवाही में पहली प्रमुख व्यक्ति बनीं।

वेस्ट बैंक में अल-जज़ीरा के पत्रकार की गोलीबारी में मौत

यरुशलम। फिलीस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अल-जज़ीरा के पत्रकार शिरीन अबू अकलेह की तड़के, वेस्ट बैंक में गोलीबारी में मौत हो गई। मंत्रालय ने बताया कि शिरीन अबू अकलेह के चेहरे पर गोली लगी थी और उसके तुरंत बाद ही उनकी मौत हो गई ।

यरुशलम के अल-कुद्स समाचार पत्र के लिए काम करने वाले एक अन्य फलस्तीनी पत्रकार भी गोलीबारी में घायल हो गए, लेकिन उनकी हालत अब स्थिर है। उत्तरी वेस्ट बैंक के जेनिन कस्बे में इज़राइली सेना की कार्रवाई के दौरान यह गोलीबारी हुई।

श्रीलंका में हर तरफ हिंसा और उपद्रव, हालात से निपटने के लिए सैनिक व सैन्य वाहन सड़कों पर तैनात

कोलंबो। आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका के हालात एक बार फिर से बेकाबू हो चले हैं। यहां आए दिन स्थिति बदतर होती जा रही है। जनता सड़क पर प्रदर्शन कर रही है। यह प्रदर्शन हिंसक होता जा रहा है। हालात को काबू करने के लिए थलसेना, वायुसेना और नौसेना को उतारा गया है। निर्देश दिए गए हैं कि उपद्रवियों को देखते ही गोली मार दी जाए। इस बीच यहां आठ लोगों की मौत हो गई है।

सड़कों पर उतरे सैनिक और सैन्य वाहन

आर्थिक संकट के बाद श्रीलंका में अराजकता और हिंसा से निपटने के लिए सेना सड़कों पर उतर गई है। आदेश के बाद सैन्य वाहनों को सड़क पर उतारा गया है। गौरतलब है कि हालातों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं को मोर्चा संभालने का आदेश एक दिन पहले दिया गया था।

श्रीलंका की मदद जारी रखेगा आईएमएफ

आर्थिक उथल-पुथल का सामना कर रहे श्रीलंका की मदद के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद कोष अपनी मदद जारी रखेगा। बुधवार को जारी किए गए बयान के मुताबिक, मुद्रा कोष की ओर से कहा गया है कि वह श्रीलंका के साथ तकनीकी स्तर की बातचीत जारी रखेगा, जिससे नई सरकार बनने के बाद नीतिगत चर्चा की जा सके। पिछली बैठक में, आईएमएफ ने श्रीलंका को 300 मिलियन अमरीकी डॉलर से 600 मिलियन डॉलर की मदद करने का आश्वासन दिया था।

भारत नहीं आए हैं राजपक्षे और उनका परिवार

श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने कहा है कि श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और उनका परिवार भारत नहीं आया है। दरअसल, एक दिन पहले अफवाह थी कि वे आर्थिक संकट और हिंसा के बीच भारत आ गए हैं।

भारत नहीं भेजेगा अपनी सेना-

श्रीलंका में खराब हालातों के बीच भारत ने उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें कहा गया था कि भारत सरकार श्रीलंका में अपनी सेना तैनात करने जा रही है। श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने कहा है कि, ऐसा कुछ भी नहीं होने जा रहा है। इससे पहले विदेश मंत्रालय भी इन खबरों को खंडन कर चुका है।

दंगे रोकने के लिए गोला-बारूद का इस्तेमाल करने का आदेश

खबरों के मुताबिक, अराजक होते हालातों और आगजनी जैसी घटनाओं के सामने आने के बाद श्रीलंका में पुलिस व सेना को गोला-बारूद का इस्तेमाल करने के आदेश दिए गए हैं।

नेपाल: भारत को महत्वपूर्ण परियोजना सौंपने जा रहा काठमांडू, चीनी कंपनियों से छीनेगा काम

काठमांडू। नेपाल ने अपनी महत्वपूर्ण पश्चिमी सेती जलविद्युत परियोजना के लिए भारत से बातचीत शुरू की है। इससे पहले इस परियोजना पर वह चीन के साथ वार्ता कर रहा था, लेकिन अब नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा ने जानकारी दी है कि सेती जलविद्युत परियोजना को लेकर भारत के साथ बातचीत कर रहा है। इस परियोजना के तहत 1250 मेगावाट बिजली पैदा की जा सकती है।

खबरों के मुताबिक, नेपाल ने 2012 और 2017 में इसी परियोजना को लेकर चीनी कंपनियों के साथ समझौता किया था। अब नेपाल के पीएम देउबा ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी 16 मई को लुंबिनी आ रहे हैं। इसी दौरान इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए उनके साथ निर्णायक बातचीत की जाएगी।

1981 से सेती परियोजना पर चल रहा काम

खबरों के मुताबिक, पश्चिमी सेती जलविद्युत परियोजना पर 1981 से काम जारी है। 1987 में एक फ्रांसीसी कंपनी ने इस परियोजना में बदलाव किया और कहा, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना यहां 380 मेगावाट का भंडारण किया जा सकता है। लेकिन 1994 में परियोजना के सर्वेक्षण के लिए ऑस्ट्रेलियाई कंपनी को लाइसेंस मिला। 1997 में भी इस कंपनी को लाइसेंस दिया गया। इस प्रोजेक्ट के तहत 90 फीसद बिजली भारत को बेचने का इरादा था। हालांकि, बाद में इस प्रोजेक्ट में चीनी कंपनियां शामिल हो गईं।

भारत की तरफ क्यों बढ़ रहा नेपाल

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने नेपाल से दो टूक कहा हुआ है कि अगर नेपाल भारत के पावर एक्सचेंज मार्केट में बिजली बेचने की योजना बना रहा है तो उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी जलविद्युत परियोजनाओं में कोई चीनी घटक नहीं होगा। अब यही कारण है कि नेपाल पश्चिमी सेती हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट को लेकर भारत की तरफ कदम बढ़ा रहा है।

'हिंदी @ यूएन': भारत ने आठ लाख डॉलर का चेक सौंपा, संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को दिया जाएगा बढ़ावा

न्यूयार्क: दिवंगत फोटो पत्रकार दानिश सिद्दीकी समेत चार भारतीयों को भारत सरकार संयुक्त राष्ट्र में हिंदी के उपयोग का विस्तार करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में भारत ने यूएन की एक परियोजना के लिए 8,00,000 अमेरिकी डॉलर का योगदान दिया।

यूएन में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि आर रवींद्र ने दुनिया भर में हिंदी भाषी आबादी तक संयुक्त राष्ट्र के बारे में जानकारी का प्रसार करने के लिए यह चेक सौंपा। यूएन के बारे में हिंदी में जानकारी प्रसारित करने के लिए वर्ष 2018 में 'हिंदी @ यूएन' परियोजना शुरू की गई है। संयुक्त राष्ट्र लोक सूचना विभाग के सहयोग से जारी इस परियोजना में संयुक्त राष्ट्र की हिंदी भाषा में सार्वजनिक पहुंच बढ़ाने और दुनिया भर में लाखों हिंदी भाषी लोगों के बीच वैश्विक मुद्दों के बारे में अधिकाधिक जागरूकता लाने का प्रयास किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि भारत 2018 से संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संचार विभाग (डीजीसी) के साथ साझेदारी कर रहा है। यह हिंदी में डीजीसी के समाचार और मल्टीमीडिया सामग्री को मुख्यधारा और समेकित करने के लिए अतिरिक्त बजटीय योगदान देता है। 2018 से यूएन न्यूज इन हिंदी संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल और यूएन फेसबुक हिंदी पेज के माध्यम से प्रसारित किया जाता है। इसके अलावा एक संयुक्त राष्ट्र समाचार-हिंदी ऑडियो बुलेटिन (यूएन रेडियो) हर हफ्ते जारी होता है।

गर्भपात को माना मानव वध : महिला को सुनाई गई 30 साल की कैद, अमेरिका में हो रहा प्रदर्शन

वाशिंगटन। गर्भपात के खिलाफ अल सल्वाडोर में कठोर कानून हैं। हाल ही में देश की एक अदालत ने गर्भपात को मानव वध या हत्या मानते हुए एक महिला को कठोर सजा सुनाई है।

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब अमेरिका में गर्भपात के नियमों में बदलाव के खिलाफ बहस व प्रदर्शन जारी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अल सल्वाडोर की एस्मे नाम की महिला को 30 साल की सजा दी गई है। यह महिला केस के विचाराधीन रहने के दौरान दो साल जेल में रह चुकी है। उसे उच्च अदालत से राहत नहीं मिली तो 28 साल और जेल में रहना होगा।

दोषी करार दी गई अल

सल्वाडोर की महिला को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वह गर्भपात के बाद चेकअप के लिए अस्पताल आई थी। उसे दी गई 30 साल की सजा पर दुनिया भर में चर्चा चल रही है। मानवाधिकार कार्यकर्ता भी इसका विरोध कर रहे हैं। वे इसे दुनिया को पीछे ले जाना वाला बता रहे हैं। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स लॉयर पॉला अविला-गुएलेन ने कहा कि एस्मे को इस तरह की सजा दिया जाना दुखद है।

इस फैसले का असर अमेरिका पर भी पड़ सकता है। अमेरिका में प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि महिलाओं को गर्भपात की अनुमति मिलनी चाहिए और इसे कानूनी अपराध नहीं माना जाना चाहिए। महिलाओं की मांग है कि गर्भपात की कानूनी इजाजत मिलना चाहिए।

अमेरिका में चल रही गर्भपात को प्रतिबंधित करने की तैयारी

दरअसल, अमेरिका में 50 साल पुराने गर्भपात कानून को बदलकर इसे प्रतिबंधित करने की तैयारी चल रही है। गत दिनों अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में गर्भपात के नए कानून का मसौदा जारी किया था। इसके बाद अमेरिका के कई शहरों में प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इस फैसले को अमेरिकी महिलाओं की आजादी छीनने वाला बताया जा रहा है।

पाकिस्तानी सांसद से 31 साल छोटी तीसरी बीवी ने मांगा तलाक, बोली- ये इंसान शैतान से भी बदतर

पेशावर: कुछ पहले 31 साल छोटी लड़की से तीसरी शादी कर सुर्खियां बटोरने वाले पाकिस्तानी सांसद और टीवी प्रेजेंटर आमिर लियाकत एक बार फिर चर्चा में हैं। लेकिन इस बार मामला प्यार या शादी का नहीं बल्कि तलाक का है। आमिर लियाकत की तीसरी पत्नी ने सिर्फ चार महीने में ही उनसे तलाक मांग लिया है और गंभीर आरोप भी लगाए हैं। पाकिस्तान में क्क्षढ्ढ पार्टी के सांसद और मशहूर टीवी होस्ट आमिर लियाकत की तीसरी पत्नी ने उनसे तलाक मांगा है।

दोनों ने फरवरी में शादी की थी। इनकी शादी ने मीडिया में काफी सुर्खियां बटोरी थीं, क्योंकि दोनों की उम्र में काफी ज्यादा फर्क था। शादी के समय सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि भारत में दोनों की शादी पर जमकर चर्चा हुई थी। लेकिन अब कुछ ही महीनों में शादी टूटती हुई नजर आ रही है। तलाक की अर्जी दायर करते हुए दानिया ने कई गंभीर आरोप भी आमिर लियाकत पर लगाए हैं। दानिया शाह का कहना है कि आमिर जैसा टीवी पर दिखते हैं, ऐसे बिल्कुल भी नहीं हैं। वे शैतान से भी बदतर हैं। दानिया ने आमिर पर आरोप लगाते हुए एक इंटरव्यू में बताया कि उसने मेरे पर काफी जुल्म किए। मुझे एक कमरे में दो-चार दिनों के लिए बंद रखता था। खाना भी वक्त पर नहीं देता था।

पुतिन की खास परेड निरीक्षण बोट बनी यूक्रेन के लेजर गाइडेड बम का निशाना

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन स्वास्तोपोल और सेंट पीटर्सबर्ग के समुद्र में तैनात अपने जंगी जहाजों के निरीक्षण और भाषण देने के लिए 001 नंबर वाली जिस खास पेट्रोल बोट का इस्तेमाल करते रहे हैं, उसे जहाजों के नेतृत्व के लिए इस्तेमाल करते थे। इसकी पतवार सफेद रंग की थी। इसके अलावा, ओडेसा से 80 मील दक्षिण में स्नेक आइसलैंड में ही यूक्रेनी सेना ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल से सेरेना श्रेणी के लैंडिंग क्राफ्ट को भी निशाना बनाया।

शांतिवार्ता की मध्यस्थता के लिए फ्रांस-जर्मनी तैयार

जर्मनी और फ्रांस ने यूक्रेन में तुरंत युद्धविराम की अपील करते हुए कीव-मॉस्को के बीच शांतिवार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने की पेशकश की है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मनी के चांसलर ओलाफ शुल्ज ने दोनों देशों में तनाव कम करने के लिए भूमिका निभाने को तैयार रहने की प्रतिबद्धता दोहराई।

अमेरिका ने और 40 अरब डॉलर मदद को दी मंजूरी

रूस-यूक्रेन युद्ध के 76वें दिन भी यूक्रेनी शहरों पर रूसी सेना के हमले जारी रहे। व्हाइट हाउस ने कहा, रूसी सेना यूक्रेन में युद्ध अपराध कर रही है। इससे आम लोगों को संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन को 40 अरब डॉलर की सहायता देने वाले प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर उसे मंजूरी दे दी है।

यूक्रेन को जारी इस मदद को अमेरिका की रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही पार्टियों के नेताओं ने स्वीकृति दी है। बाइडन ने 33 अरब डॉलर की राशि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। अमेरिका के इस कदम को नौ मई को विजय दिवस परेड के दौरान रूस द्वारा किए गए शक्ति प्रदर्शन के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

अफगानिस्तान: तालिबान के कब्जे के बाद नौ लाख से ज्यादा लोगों ने नौकरी गंवाई, कामकाजी महिलाएं भी प्रभावित

काबुल। अफगानिस्तान पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका के विशेष महानिरीक्षक (एसआईजीएआर) के मुताबिक, पिछले अगस्त में तालिबान के देश पर कब्जे के बाद से कम से कम नौ लाख अफगानिस्तानी अपनी नौकरी गंवा चुके हैं। द खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, कामकाजी महिलाएं अनुपातहीन रूप से प्रभावित हैं। एसआईजीएआर के अनुसार, 2022 के मध्य तक महिलाओं के रोजगार में 21 प्रतिशत की गिरावट आने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, जब से तालिबान ने सत्ता संभाली है, देश के कई हिस्सों में गरीबी ने लाखों लोगों को खतरे में डाल दिया है और बेरोजगारी आसमान छू रही है। विश्व श्रम संगठन के अनुसार, 2021 की तीसरी तिमाही में पांच लाख से अधिक अफगानिस्तानी श्रमिकों ने नौकरी गंवाई व तालिबान कब्जे के बाद से नौकरी खोने वाले लोगों की संख्या 2022 के मध्य तक सात से नौ लाख तक पहुंचने की संभावना है। चार दशकों के संघर्ष, भयंकर सूखे व महामारी से अर्थव्यवस्था पहले से ही चरमरा चुकी है। जबकि तालिबान नियंत्रण के बाद विश्व बिरादरी ने भी अफगानिस्तानी संपत्ति फ्रीज कर मदद रोक दी।

बुर्का पर आदेश से महिलाएं नाराज और डरी हुई

अफगानिस्तान में कई महिलाएं बुर्का अनिवार्य करने के तालिबान के फैसले से नाराज हैं।

बिटक्वाइन सिटी: अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति ने जारी किया 'क्रिप्टो यूटोपिया' का लेआउट

सैन साल्वाडोर। मध्य अमेरिका के सबसे छोटे देश अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले ने निर्माणाधीन बिटक्वाइन शहर का डिजाइन जारी किया। उन्होंने कहा कि विकास का यह रूप बेहद खूबसूरत है। राष्ट्रपति बुकेले ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टो शहर के मॉडल की तस्वीरें साझा कीं, जिसका निर्माण मध्य अमेरिकी देश के दक्षिण-पूर्व में फोन्सेका की खाड़ी पर कोंचगुआ ज्वालामुखी के पास किया जाएगा। यह राष्ट्रपति की प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। बिटक्वाइन सिटी की घोषणा पहली बार छह महीने पहले लैटिन अमेरिकी बिटक्वाइन और ब्लॉकचेन सम्मेलन के दौरान की गई थी। यह डिजाइन ऐसे समय में दुनिया के सामने आई है, जब क्रिप्टो बाजार में मंदी का दौर जारी है और यह पिछले साल नवंबर में अपने उच्चतम स्तर से 50 प्रतिशत तक गिर गया है।

बिटक्वाइन को अपनाने वाला पहला देश

अल साल्वाडोर दुनिया का पहला देश है, जिसने पिछले साल इसे आधिकारिक मुद्रा के रूप में मान्यता दी है। इसके तहत लाखों डॉलर के सरकारी फंड का निवेश क्रिप्टोकरेंसी में किया गया है। इसी सोमवार को यहां की सरकार की ओर से 30 हजार डॉलर का निवेश किया गया है। उधर, अमेरिका स्थित नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च के एक हालिया सर्वेक्षण के आंकड़ों के मुताबिक, केवल 20 प्रतिशत सल्वाडोरियन बिटकॉइन का उपयोग कर रहे हैं। यहां के अधिकांश लोग अभी भी अमेरिकी डॉलर पर निर्भर हैं। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी चेतावनी दी है कि बिटकॉइन को आधिकारिक रूप से अपनाने से वित्तीय स्थिरता और उपभोक्ता संरक्षण के लिए बड़े जोखिम हो सकते हैं।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम एवम्

योग सत्संग समिति द्वारा

विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा प्रयागराज

से मुद्रित एवम् क्रियायोग

आश्रम अनुसंधान संस्थान

झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश

211019 से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

Email:-

akhandbharatsandesh1@gmail.com

इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र कौशाम्बी, प्रयागराज होगा।